Website : jankhabar.com

RNI No.: DELHIN/2013/52747

जनख़बर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

क्या ये तीन खाते मेरे पास... 2

काजोल ने ठुकराई थी... 8

वर्ष : 12 | अंक : 38 | रविवार, नई दिल्ली, 6 जुलाई से 12 जुलाई 2025 | साप्ताहिक | मूल्य : 3 रुपये | पृष्ठ : 8

संक्षिप्त खबरें

करोल बाग के विशाल मेगा मार्ट में भीषण आग

नई दिल्ली।। दिल्ली के करोल बाग स्थित विशाल मेगा मार्ट में शुक्रवार शाम को अचानक भीषण आग लग गई है। सूत्रों के अनुसार, अभी तक नुकसान की जानकारी सामने नहीं आ सकी है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई, सभी कर्मचारियों के साथ मिलकर आग बुझाने की कोशिश कर जारी है। दमकल विभाग के अनुसार, करोल बाग के विशाल मेगा मार्ट में बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट सेकंड और थर्ड फ्लोर पर आग फैल गई है। सेकंड फ्लोर पर आग लगी जिसके बाद धीरे-धीरे वह आग फैल गई, आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली।। आनंद पर्वत थाना पुलिस टीम ने चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मोहम्मद साजिद है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद किया है।

मध्य जिला डीसीपी निधिन वल्सन ने बताया कि एसएचओ इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद टीम ने विभिन्न कैमरों की स्कैनिंग कर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। 11 जून को पुलिस थाना आनंद पर्वत में लूट की सूचना मिली, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि तीन लडके उसके पास आए, चाकू की नोक पर उसे धमकाया और उससे 1,000 लूट लिए और उसका मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया। उनके बयान के आधार पर जांच शुरू की गई।

मोबाइल रिपेयर के बहाने चोरी के फोनों का धंधा, १ गिरफ्तार किए

नई दिल्ली।। आईपी एस्टेट थाना पुलिस टीम ने एक विशेष छापेमारी में चोरी किए गए मोबाइल फोन को खरीदने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में नवदीप कौर और रमनदीप भंगू है। पुलिस ने इनके पास से एक चोरी के मोबाइल समेत 45 फोन और भारी मात्रा में मोबाइल फोन के पुर्जे बरामद किए है, 12वीं पास रमनदीप करोल बाग में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाता था, जबकि बीएससी ग्रेजुएट नवदीप बेहतर अवसरों की तलाश में थी। मोबाइल रिपेयर के धंधे में कम मुनाफे से निराश होकर अपराध की दुनिया में उतर गए और चोरी के मोबाइल फोन के अवैध धंधे में शामिल हो गए।

आज का सुविचार

प्रसन्नता ही जीवन का सबसे बड़ा खजाना है

अपने क्षेत्र की समस्या या खबर के लिए संपर्क करें

संवाददाता 'जनखबर':

राकेश कुमार

Mob.: 9560484749

जब ताज पर अटैक हुआ था तब आपके योद्धा कहां थे...

मराठी भाषा विवाद पर एक्स मरीन कमांडो ने राज ठाकरे पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली।। महाराष्ट्र में पिछले दिनों मनसे कार्यकर्ताओं ने एक दुकानदार को भाषा विवाद में पीटा था। राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं का कहना था कि अगर महाराष्ट्र में रहना है तो मराठी आनी चाहिए। इसी के बाद से मराठी भाषा विवाद पर घमासान तेज होता जा रहा। अब इस मुद्दे पर एक्स मरीन कमांडो प्रवीण तेवतिया ने रिएक्ट किया है। उन्होंने राज ठाकरे और उनकी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना पर निशाना साधते हुए कहा कि जब ताज पर अटैक हुआ था तब आपके योद्धा कहां थे।

26/11 हमले के नायक तेवतिया ने क्या कहा : पूर्व मरीन कमांडो प्रवीण कुमार तेवतिया ने 26/11 हमले के दौरान आतंकियों के खिलाफ खुद मोर्चा संभाला था। उन्होंने मुंबई के ताज होटल पर आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान टीम का नेतृत्व किया था। अब तेवतिया ने मराठी भाषा विवाद पर राज ठाकरे और मनसे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब 26/11 का आतंकवादी हमला हुआ, तो मनसे के तथाकथित योद्धा छिप गए और कहीं नहीं मिले। राज ठाकरे खुद कहीं दिखाई नहीं दिए। उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के सदस्य भी कहीं नहीं मिले। उस समय राज ठाकरे ने कुछ भी नहीं बोला, क्योंकि उस समय दूसरों को बचाने वाले जो लोग थे, सेना के जो जवान थे वो मुख्य रूप से यूपी और बिहार से थे।

तेवतिया बोले- राजनीति को भाषा से अलग रखो : प्रवीण कुमार तेवतिया ने आगे कहा कि मैं भी वहां था। फ्रंट लाइन वॉरियर के तौर पर मैंने ताज में खुद जाकर स्थिति को संभाला और आतंकवादियों का सामना किया। मैं भी यूपी से हूं और चौधरी चरण सिंह के गांव से आता हूं, जो देश के पांचवें प्रधानमंत्री रहे। इसलिए, हमें राजनीति मत सिखाइए। राजनीति को भाषा से अलग रखो। हमें भी मराठी पर गर्व है, लेकिन लोगों को इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

राज ठाकरे और एमएनएस पर तगड़ा अटैक : तेवतिया ने राज ठाकरे और मनसे पर वार करते हुए कहा कि भाषा का राजनीतिकरण बिल्कुल गलत है। अगर आपको राजनीति करनी है, तो विकास कार्यों और नौकरियों को लेकर करें। कितनी जॉब आपने क्रिएट की। आपने कितने विकास कार्य किए हमें बता दीजिए। इस तरह एक्स मरीन कमांडो तेवतिया ने दो टूक शब्दों में कहा कि राज ठाकरे और उनकी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अभी तक कोई विकास कार्य नहीं किया है।

एक्स पोस्ट के जरिए भी रखी अपनी बात : इससे पहले पूर्व मरीन कमांडो प्रवीण कुमार तेवतिया ने एक्स पर एक पोस्ट भी शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'मैंने 26/11 आतंकी हमले के दौरान को मुंबई को बचाया था। मैं यूपी से हूं और महाराष्ट्र के लिए खून बहाता हूं। मैंने ताज होटल को बचाया। राज ठाकरे के तथाकथित योद्धा कहां थे? देश को मत बांटो। मुस्कुराहट के लिए किसी भाषा की जरूरत नहीं होती।'

भाजपा–नीतीश ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली. पटना में बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है।

इससे पहले तेजस्वी यादव ने गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार को निशाने पर लेते हुए बिहार में जंगलराज होने का आरोप लगा दिया था।

राहुल गांधी का नीतीश-भाजपा गठबंधन सरकार पर निशाना : राहुल गांधी ने लिखा कि 'आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम। बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती।'

राहुल गांधी ने कहा कि अब वक्त नए बिहार का है। उन्होंने लिखा कि 'हर हत्या, हर लूट, हर गोली – एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का, जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।'

बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार देर रात बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना पटना के गांधी मैदान थाना इलाके में हुई। गोपाल खेमका पटना के जाने-माने व्यवसायी थे। गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की हत्या भी छह वर्ष पूर्व वैशाली के औद्योगिक थाना इलाके में कर दी गई थी। उस समय भी काफी हंगामा हुआ था। पटना के पॉश इलाके में खुलेआम बड़े व्यवसायी की मौत ने राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेजस्वी यादव ने बताया जंगलराज : व्यवसायी वर्ग में गोपाल खेमका का बड़ा रसूख था। उनकी हत्या से बिहार का व्यवसायी वर्ग सदमे में है। गोपाल खेमका की हत्या से बिहार की राजनीति भी गरमा गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में राज्य सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने लिखा कि 'थाना से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते? क्योंकि इसे ही शास्त्रों में मीडिया प्रबंधन, परसेप्शन मैनेजमेंट और छवि प्रबंधन कहते है।'

शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर चाइनीज मांझे ने ढाया कहर, बैंककर्मी का चेहरा जखमी, पुलिस कार्रवाई शून्य, बिक्री जारी

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कुछ दिनों पहले ही रानी झांसी फ्लाईओवर पर मांझे ने एक बाइक सवार की जान ले ली थी। लोग इस दर्दनाक हादसे को अभी भूले भी नहीं थे कि बुधवार देर शाम एक और घटना ने लोगों को झकझोर दिया।

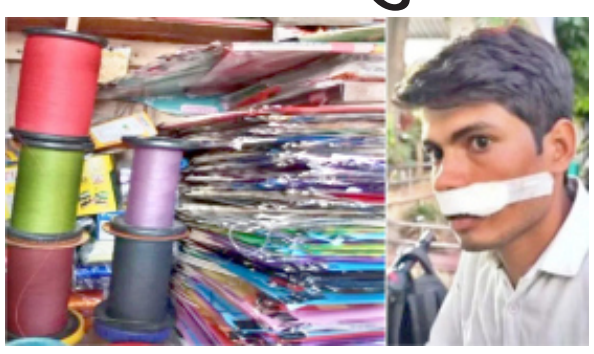

इस बार शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर एक बैंककर्मी को चाइनीज मांझे ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसका चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया।

बैंक से लौटते वक्त हादसे का शिकार : प्रकाश, कृष्णा नगर स्थित एक्सिस बैंक में कार्यरत हैं। वह रोजाना की तरह बुधवार को ड्यूटी खत्म होने के बाद अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। उनका घर बुराड़ी के संत नगर में है। वह शाहदरा के कैशव चौक से सीलमपुर होते हुए शास्त्री पार्क फ्लाईओवर की तरफ बढ़ रहे थे।

प्रकाश ने केवल एक छोटा हेलमेट पहन रखा था। फ्लाईओवर पर अचानक से लटकते चाइनीज मांझे ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मांझा इतनी तेजी से चेहरे पर लिपटा कि प्रकाश संभल नहीं पाए और उनका चेहरा गंभीर रूप से कट गया।

राहगीरों ने दिखाई इंसानियत : हादसे के बाद प्रकाश ने किसी तरह अपनी बाइक रोकी और मदद के लिए इधर-उधर देखा। उस वक्त कुछ राहगीर वहां से गुजर रहे थे। खून से लथपथ प्रकाश को देखकर उन्होंने तुरंत मदद की और नजदीकी जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि प्रकाश के चेहरे पर कई गहरे कट लगे हैं, जिनकी सर्जरी करनी पड़ी। चेहरे पर कई टांके आए हैं। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस कार्रवाई शून्य, बिक्री जारी : हैरानी की बात यह है कि इतने गंभीर हादसे के बावजूद प्रकाश ने अब तक पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह चुप्पी कई बार दोषियों को खुली छूट देती है।

गौर करने वाली बात यह भी है कि दिल्ली पुलिस ने चाइनीज मांझे की बिक्री पर सख्त प्रतिबंध लगाने का दावा किया था, लेकिन हकीकत इसके उलट नजर आ रही है। चोरी-छिपे दुकानों और गलियों में यह जानलेवा मांझा आसानी से बिक रहा है।

शास्त्री पार्क फ्लाईओवर हादसों का हॉटस्पॉट : शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर इस तरह के हादसे कोई पहली बार नहीं हुए हैं। यदि पिछले कुछ वर्षों की बात करें तो इसी फ्लाईओवर पर कई लोगों की जान जा चुकी है या गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं।

क्रोनोलॉजी देखें : कब-कब चाइनीज मांझे ने परिवार किए बर्बाद

- 13 अगस्त 2022 को मांझे की चपेट में आकर एक बाइक सवार की मौत हो गई थी।

- 28 अगस्त 2023 को स्कूटी सवार व्यापारी का गला कट गया था।

- 29 मार्च 2023 को स्कूटी सवार युवती मांझे से घायल हुई थी।

स्वामी विवेकानंद की पुण्य तिथि पर अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने दी श्रद्धांजलि; कहा—'उनके विचार आज भी भारत की चेतना के प्रेरणा स्रोत हैं'

एस. एन. गुप्ता
(वरिष्ठ संवाददाता)

नई दिल्ली।। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद जी की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में आज आयोजित एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उन्हें स्मरण करते हुए कहा कि भारत की युवा शक्ति को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सेवा-भाव की ओर प्रेरित करने वाले स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अग्रदूत थे।श्री गुप्ता रोहिणी सेक्टर-8 स्थित विवेकानंद वरिष्ठ नागरिक फोरम द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में संबोधित कर रहे थे।

श्री गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन आज के भारत के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। 'जब हम आत्मनिर्भर भारत, युवाशक्ति के उत्थान और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को लेकर सजग हैं, तब विवेकानंद के विचार हमें आत्मबल, राष्ट्रभक्ति और सार्वभौमिक मानवता के मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देते हैं।

श्री गुप्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विवेकानंद का संदेश केवल धार्मिक या आध्यात्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और राष्ट्रनिर्माण के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। 'उनकी दृष्टि में युवा केवल शारीरिक रूप से सशक्त नहीं, बल्कि नैतिक रूप से दृढ़ और मानसिक रूप से प्रबुद्ध होना चाहिए। यह आज के समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है,' श्री गुप्ता ने कहा।

श्री गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रेरक शक्ति हैं। आज के समय में, जब युवा पीढ़ी अनेक सामाजिक, नैतिक और वैचारिक चुनौतियों का सामना कर रही है, तब विवेकानंद जी के विचार उन्हें न केवल आत्मबल और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं, बल्कि देशभक्ति, सेवा और नेतृत्व जैसे मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा भी देते हैं। अंत में, उन्होंने देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में अपनाएं और एक समावेशी, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ नहीं खाली कर रहे सरकारी आवास, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली।। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ से उनका आधिकारिक आवास खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है.

सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट प्रशासन ने केंद्रीय आवास मंत्रालय को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि बंगला नंबर 5, कृष्णा मेनन मार्ग को तुरंत सुप्रीम कोर्ट के हाउस पूल में वापस लिया जाए.

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने कहा कि यह कार्रवाई इसलिए की जा रही है क्योंकि जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ नियम 3बी के तहत निर्धारित समय से अधिक समय तक रुके रहे हैं. उन्हें बनाए रखने का अनुरोध दोनों पहले ही समाप्त हो चुके हैं.

नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे सीजेआई चंद्रचूड़ : भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे. CJI चंद्रचूड़ को दी गई आवासन की अनुमति 31 मई 2025 को समाप्त हो गई थी, और 2022 नियमों के नियम 3बी में प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो गई है. इसके बावजूद, वे अब भी उस बंगले में रह रहे हैं, जिसे सुप्रीम कोर्ट प्रशासन नियमों का उल्लंघन मान रहा है.

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब और देरी न करते हुए बंगले का तत्काल कब्जा लिया जाना आवश्यक है, ताकि इसे फिर से सुप्रीम कोर्ट के कार्यात्मक उपयोग में लाया जा सके.

नाबालिग लड़के की क्रूरता से हत्या, चाकू से किये कई हमले 6 गिरफ्तार, नहर में फेंकी लाश

एजेंसी

नई दिल्ली।। बाहरी उत्तरी दिल्ली से गुरुवार को एक खौफनाक घटना सामने आई। जहां किशोरों समेत आठ लोगों के एक समूह ने 14 वर्षीय लड़के की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपियों ने शव को हैदरपुर क्षेत्र की एक नहर में फेंक दिया। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) हरेश्वर वी स्वामी ने जानकारी देते हुए कहा कि रंजिश में हुई इस वारदात में सिरसपुर के जीवन पार्क निवासी लड़के को कथित तौर पर अपहरण के बाद निर्वस्त्र करके मार दिया गया। एक जुलाई को मुनक नहर के पास उसका शव मिला था, जिस पर चाकू के कई घाव थे और गले में दुपट्टा बंधा हुआ था।

मामला दर्ज : दोपहर करीब तीन बजकर 10 मिनट पर पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना मिली कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के जल शोधन संयंत्र के पास एक शव पड़ा है। इसके बाद पुलिस की एक टीम ने आंशिक रूप से सड़ चुके शव की पहचान कराई। प्रारंभिक जांच के आधार पर मामला दर्ज किया गया। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीम गठित की गईं। तकनीकी निगरानी का उपयोग करते हुए पुलिस ने सबसे पहले दो मुख्य आरोपियों कृष्णा उर्फ ??भोला (19) और पीड़ित के ही इलाके में रहने वाले एक किशोर को गिरफ्तार कर लिया।

हत्या की साजिश : डीसीपी ने बताया कि कृष्णा पर पिछले वर्ष दो स्थानीय अपराधियों मोनू और सोनू ने हमला किया था और कृष्णा को संदेह था कि जीवन पार्क निवासी उक्त 14 वर्षीय लड़के ने उनकी मुखबिरी की थी। कृष्णा उससे रंजिश रखने लगा और कई हफ्ते तक अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश बनाई। 29 और 30 जून की दरम्यानी रात कृष्णा और सात अन्य ने 14 वर्षीय लड़के को वीर चौक बाजार के पास रोका और उसके दोस्तों के सामने अपहरण कर नहर के पास ले गए।

पूर्वी दिल्ली में बारिश से बिगड़े हालात; हर साल की तरह फिर डूबी गाजीपुर मंडी

नई दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली स्थित गाजीपुर सब्जी मंडी के सामने की दोनों सड़कें पिछले डेढ़ सप्ताह से जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रही हैं। एक ओर मंडी के मुख्य गेट तक पानी भर गया है, जिससे व्यापारियों और आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। दूसरी ओर, जलभराव की वजह से इलाके में स्थित सीएनजी पंप को बंद करना पड़ा है। हर साल बारिश में यह स्थिति दोहराई जाती है, जिसकी प्रमुख वजह दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा जल निकासी व्यवस्था की नियमित सफाई न किया जाना बताया जा रहा है।

डीडीए के अनुसार, एनएच-9 के नीचे से गुजर रही अंडरग्राउंड ड्रेनेज पाइपलाइन में रुकावट आने से जलभराव हुआ है। पाइपलाइन की सफाई में चार से पांच दिन का समय लगेगा। साथ ही, मौजूदा ड्रेनेज सिस्टम काफी पुराना हो चुका है और एनएच-9 के निर्माण के बाद उसका स्तर नीचे चला गया है। डीडीए ने इसे देखते हुए नए ड्रेनेज सिस्टम का प्रस्ताव तैयार करने की बात कही है। लगातार बारिश के चलते इलाके की दोनों सड़कें मानो तालाब में तब्दील हो गई हैं। नालियों का गंदा और बदबूदार पानी सड़कों पर फैल गया है, जिससे राहगीरों और मंडी में आने-जाने वालों को भारी दिक्कत हो रही है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने कई बार डीडीए और प्रशासन को शिकायत पत्र सौंपे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। क्षेत्रीय विधायक ओम प्रकाश शर्मा ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा।

सम्पादकीय

अधिकारों की निशानदेही

एस.एन. गुप्ता

अपने अधिकारों की निशानदेही करते हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने प्राकृतिक आर्थिकी के महत्त्व को पुनः रेखांकित किया है। मौसम बरसात का था, तो तपोवन का विधानसभा परिसर बता रहा था कि पर्वत के आकाश पर कितनी बड़ी छतरी होती है, जो देश के आंचल को बचा सकती है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन की नींव पर हिमाचल दरअसल पर्वतीय एहसास करा रहा है। जितनी जरूरी हैं पर्यावरण संरक्षण की नीतियां, उतनी ही जरूरी हैं पर्वतीय राज्यों के लिए अलग नीतियां। पर्वतीय राज्य हर सूरत और सीरत में पर्यावरण राज्य हैं। हिमालय के सारे वरदान देश को मिलते हैं, तो सिसकियां क्यों अकेली इनके नाम छोड़ दी जातीं। अभी बरसात के आगमन के आरंभिक दौर ने ही हिमाचल की संपत्तियों को लूट लिया, तो आपदा के अनुमान का राष्ट्रीय गणित ईमानदार होना चाहिए। एक हफ्ते ने हजार करोड़ की चपत नहीं लगाई, बल्कि जीवन की हर उमंग को रोक दिया। प्रदेश की रफ्तार घर से सरकार तक रुकती है, तो इन घावों पर मरहम की दरकार रहती है। यह उस इंतजार का प्रतिफल है जो ग्रीष्म काल में मैदानी मिट्टी का सीना सुखा देता है, जल संकट से देश के अस्सी फीसदी भाग को मुर्झा देता है, कई राज्यों के बीच तनाव बढ़ जाते हैं और तब एक पुकार 'अल्लाह मेघ दे-पानी दे' की होने लगती है, लेकिन जब बरसात आती है तो पहाड़ की कीमत व दौलत भुला दी जाती है। पानी की कीमत अंतरराष्ट्रीय राजनय के बल सीधे कर सकती है, तो घरेलू मसलों को क्यों नहीं। जल को संसाधन मानने के लिए सर्वप्रथम उन मसलों को देख लें, जहां कई प्रदेश सरकारें माननीय सर्वोच्च न्यायालय की फाइलों में माथा रगड़ रही हैं। पंजाब-हरियाणा व दक्षिण भारत के कई राज्यों के बीच जल बंटवारों का निष्पादन अगर 'संपत्ति के हक' की तरह है, तो सर्वप्रथम यह हिमालय का हक है, हिमालय को बचाने वाले राज्यों का अधिकार है।

भले ही हिमाचल की लोकसभा में चार सीटें हैं, लेकिन पूरे हिमालयी राज्यों की चालीस से 42 संसदीय सीटों के पर्वतीय सरोकार एक जैसे हैं। ऐसे में अगर हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरणीय वजूद जिंदा रखते हुए आर्थिक व विकासात्मक संरचना का उत्थान करना है, तो केंद्र में एक स्वतंत्र 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' के गठन की जरूरत है। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पंजाब के कंडी क्षेत्र व पश्चिमी बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, रिम्बिक, कुर्सियांग व संदकफू जैसे इलाकों का विकास भी मैदानी शर्तों पर नहीं हो सकता। दूसरी ओर भले ही कश्मीर और पूर्वोत्तर की अशांति को ढांपने के लिए केंद्र की आर्थिक मदद काम कर जाए, लेकिन पूरे हिमालय क्षेत्र को न्याय देने के लिए 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' की स्थापना वक्त की जरूरत है। अतीत में प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल में हिमालयी राज्यों की सांस्कृतिक, आर्थिक व सामाजिक पृष्ठभूमि के सूत्र जोड़ते हुए चकमोह कालेज में एक प्रभावशाली समारोह हुआ था, कमोबेश उसी भावना के उद्गार तपोवन परिसर में प्रदेश के मुख्यमंत्री को उद्वेलित करते हैं। शांता कुमार के जिस मांग पत्र व प्रयास से मुफ्त बिजली की रायल्टी से हिमाचल आगे बढ़ा, उस एहसास की पुनरावृत्ति अब जल संपत्ति में राज्य के स्वाभिमान को खड़ा कर रही है। इसी संदर्भ में तपोवन की भूमिका ने पहाड़ी राज्यों की पहचान का परचम ऊंचा किया है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन का आयोजन करवाकर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने तपोवन परिसर की प्रासंगिकता बढ़ा दी है। लोकतांत्रिक परंपराओं के आंचल की तरह इस परिसर ने ये लम्हे समेटे हैं। जाहिर तौर पर आगे प्रयास होंगे तो तपोवन परिसर की गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर के ऐसे ही कुछ अन्य व विधायकों के प्रशिक्षण के कार्यक्रमों का संचालन भी शुरू हो पाएगा।

सत्य की राह

राकेश कुमार
संवाददाता

'आपको यह समझना चाहिए कि हरेक कठिन परिस्थिति बहुत कुछ सिखाने के लिए आती है', और...

जब आपके पास प्रचूर मात्रा में पवित्र, उच्च विचारों का खजाना हो तो आपके लिए किसी भी मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान मुमकिन है, परन्तु...कहते हैं कि अपने जीवन में आने वाली विपत्तियों को हल्के में मत लेना और उनके सफलतापूर्वक समाधान के लिए पूरा गौर करना है, और...

ध्यान रहे कि जीवन में सफ़लता व मन इच्छित फल का वरदान पाने के लिए एक 'सरल नियम' के साथ उपवास करना; और उपवास का वह नियम है... क्रोध, लालच, चुगली, निंदा, अपमान, गंदे संकल्पों आदि..' का परहेज़ करना ।

'आजकल लोग इस सोच के कारण ज्यादा ' बीमार या तकलीफ़ में हैं कि मुझे किसी ने बेवकूफ बनाकर इस्तेमाल किया है...इस तकलीफ़ से बाहर आपके सिवा आपको कोई नहीं निकाल सकता'।

कुछ लोग आपके ऊपर पूरा नियंत्रण रखना और आपको अपने अनुसार चलाना चाहते हैं; अगर उनको सफलता हासिल हो जाए तो वो आपको कठपुतली बना कर प्रयोग करते हैं, यदि नहीं तो वो आपसे नफ़रत करना शुरु कर देते हैं। कहते हैं कि वैसे तो जीने के कई रास्ते हैं, अच्छे भी और बुरे भी, परन्तु यदि आपको लगता है कि मेरे लिए कोई रास्ता बचा ही नहीं है तो, आप अपना रास्ता खुद बना सकते हो। ध्यान रहे कि अगर आज आप अपनी प्रगति के लिए रास्ता नहीं बनाते हो या सफलता के लिए सही निर्णय नहीं लेते हो तो कल तुम्हें औरों के रास्ते और निर्देशों का पालन करने के सिवाय कोई रास्ता नहीं रहेगा।

जनखबर

हेल्पलाइन उठाएं अपनी आवाज

सड़क टूटी है या पानी नहीं आता, आस-पास के पार्क बुरे हाल में हैं, डीटीसी रूट पर बसें नहीं आती... कभी बार-बार बिजली गुल हो जाती है, कभी बच्चों का स्कूल में दाखिला नहीं होता तथा सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार के कारण आप को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और आप अपनी परेशानियों की वजह से अपनी किस्मत को कोसते हैं। सहायता के लिए इधर उधर दौड़ते हैं, समाधान नहीं मिलता, आइए हम आपकी समस्याओं की आवाज जनखबर के माध्यम से अधिकारियों, मंत्रियों और संबंधित विभागों की नजर में लाने का प्रयास करेंगे और उनका समाधान भी ढूंढेंगे।

ई-मेल के सबजेक्ट में लिखें : jankhabarhelpline
और अपनी समस्या ई-मेल करें - jankhabarnews@gmail.com

क्या ये तीन खाते मेरे पास जमा हैं...ये मुझे देखना है...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि जैसे ब्रह्मा बाबा ने अव्यक्त स्थिति द्वारा सेवा की गति को तीव्र किया। ऐसे हम बच्चों की स्थिति द्वारा समय की समाप्ति और सम्पन्नता ये सहज होगा। तो ये फाइनल कार्य तो हमें करना है ना! उसके लिए भी हमें तैयार होना पड़ेगा अचानक के पेपर में। अब आगे पढ़ेंगे...

अच्छा मेरी तैयारी में क्या-क्या तैयारी करनी है मुझे? पहली तैयारी जो हमें करनी है वो है कि कोई भी बात सामने आए तो क्या एक सेकण्ड में हम फुल स्टॉप लगा सकते हैं और फुल स्टॉप तभी लगा सकते हैं जब मेरे पास फुल स्टॉक पॉजिटिविटी का होगा। अगर मेरे पास फुल स्टॉक नहीं है पॉजिटिविटी का, सकारात्मकता का तो फुल स्टॉप लगाने के बाद भी वापस क्यों, क्या और कैसे ये क्वेश्चन आरम्भ हो जाएंगे।

तो इसीलिए कोई भी क्वेश्चन को समाप्त करने के लिए मेरे पास ज्ञान रत्नों का खज़ाना इतना चाहिए, शक्तियों का खज़ाना इतना चाहिए, सद्गुणों का खज़ाना इतना चाहिए जो सहजता से फुल स्टॉप लगा करके मैं शक्तिस्वरूप स्थिति में स्थित हो सकूं। इसको कहा जाता है- एवररेडी। बातें आयेंगी लास्ट तक भी क्योंकि अचानक और एवररेडी के साथ एक और बात जुड़ती है कि हर चीज़ अति में जानी है, तो ये अति साथ में जुड़ना है।

जैसे बाबा ने कहा कि विकार भी फुल फोर्स में अन्त में सामने आयेंगे, बातें भी फुल फोर्स में आपके सामने आयेंगी। तो जब बातें आनी हैं, परिस्थिति फुल फोर्स में आनी है क्योंकि माया अपनी अन्तिम दाव चलेगी कि नहीं चलेगी! तो अति में हर चीज़ जानी है और अगर अति में जानी है तो वो बातें आयेंगी लेकिन क्या एक सेकण्ड में फुल स्टॉप लगा करके, सर्व शक्ति सम्पन्न हो करके मैं शक्ति स्वरूप स्थिति में, सद्गुण जो मेरे पास हैं उससे शुभभावना, शुभकामना निरन्तर हर आत्मा के प्रति प्रवाहित करूं, प्रकृति के प्रति प्रवाहित करूं ऐसी मेरी तैयारी है? तो फुल स्टॉप लगाने के लिए फुल स्टॉक मेरे पास जमा होना चाहिए। तभी तो कहेंगे कि हाँ, हम तैयार हैं। तो बाबा हमेशा कहते हैं कि तीन खाते जमा होने चाहिए। कौन-से तीन खाते जमा होने चाहिए?

पहला खाता जमा होना चाहिए स्व-पुरुषार्थ द्वारा प्रालब्ध का खाता। इतना मेरा स्व पुरुषार्थ हो, स्वयं के ऊपर इतना अधिकार हो मेरा, हर कर्मेंद्रियों के ऊपर इतना अधिकार हो कि हर कर्मेंद्रियजीत हो, मायाजीत हो, निद्राजीत हो। तब कहेंगे कि मेरा जमा का खाता बढ़ता जा रहा है स्व-पुरुषार्थ से। तो ऐसी जीत अवस्था क्योंकि बाबा कहते जहाँ जीत, वहाँ जन्म। आपका जन्म वहाँ होगा जितनी आपने जीत पाई है। तो प्रकृतिजीत, मायाजीत, कर्मेंद्रियजीत, निद्राजीत और समय के ऊपर भी विजय। तो ये जीत है! तब वहाँ, राजाई घराने में हमारा जन्म होगा।

दूसरा- पुण्य का खाता। इतना श्रेष्ठ कर्म करो कि जो पुण्य का खाता जमा हो। पुण्य का खाता कहाँ काम आएगा? द्वापरयुग में, जैसे ही सतयुग-त्रेतायुग का प्रालब्ध पूरा हुआ वैसे ही द्वापरयुग में जन्म होगा। तो जितना यहाँ सेवा करके पुण्य कर्म किया है तो उस पुण्य के आधार से, क्योंकि वहाँ जाने के बाद एकदम से मैं पुण्य कर्म करना चालू कर दूं, ऐसा तो नहीं होगा!

त्रेतायुग से ही देवताएं नीचे उतरते हैं तो हरेक वैसे ही सम्पन्न अवस्था में होंगे। क्योंकि बाबा कई बार मुरली में कहते हैं सोमनाथ का मंदिर इतना हीरे-जवाहरातों से बनाया तो सोचो उन लोगों के पास स्वयं के लिए कितना धन होगा! लेकिन उस स्टेज में, उस राजाई घराने में जन्म लेने के लिए संगमयुग पर उतना पुण्य कर्म किया होना चाहिए। इसलिए बाबा कई बार कहते हैं कि स्व-पुरुषार्थ और सेवा अन्त तक करना है। स्व-पुरुषार्थ सतयुग-त्रेतायुग में काम आएगा, एक-एक जन्म को फाइनलाइज्ड़ करेंगे। लेकिन जो पुण्य किया है, सेवा किया है हमने तो सेवा द्वारा जो पुण्य का खाता जमा किया हुआ है वो द्वापर से काम में आएगा। उस अनुसार ही उस क्वालिटी का जन्म हम प्राप्त करते हैं।

तीसरा है दुआओं का खाता। जो बाबा कहते हैं कि बच्चे दुआएं देते जाओ, दुआएं लेते जाओ। तो ये दुआओं का खाता कहाँ काम आएगा? अन्तिम पेपर का सामना करने के लिए। बातें तो आयेंगी, पेपर तो आयेंगे लेकिन जिसके पास दुआओं का खाता जमा बहुत है तो क्या होगा? बातें मक्खन से बाल की तरह निकल जायेंगी।

दुआएं जैसे हमारे लिए कवच हो जाएगा। इसीलिए बाबा कहते कि बच्चे दुआएं भी खूब कमाओ। और दुआएं कैसे कमाते हैं जब आप किसी भी आत्मा को सुख देते हैं, खुशी देते हैं तो उसके अन्दर उस वक्त दुआएं ही निकलती हैं कि भगवान आपको सदा सुखी रखे, भगवान आपको सदा खुश रखे। लेकिन किसके लिए जिसको हमने सुख दिया है, वो आत्मा जब उस सुख की अनुभूति से दुआ देती है तब वो दुआ लगती है। तो ये तीन खाते मेरे में जमा हैं, ये अपने में देखो।

रामभक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी! IRCTC की श्री रामायण यात्रा फिर शुरू

योध्या में श्रीराम मंदिर की लोकप्रियता के मद्देनजर आईआरसीटीसी (धिंङऊ) 25 जुलाई 2025 से 'श्रीरामायण यात्रा' के नाम से अपनी 5वीं विशेष ट्रेन यात्रा शुरू करने जा रहा है। यह यात्रा 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिये आयोजित समारोह के बाद से शुरू हुई सीरीज का हिस्सा है।

श्री रामायण यात्रा, 25 जुलाई से होगी शुरू : आईआरसीटीसी के अनुसार, 'श्री रामायण यात्रा', 25 जुलाई 2025 से शुरू होगी और इसमें भगवान राम से जुड़े 30 से अधिक स्थलों को शामिल किया जाएगा। यात्रा की शुरुआत अयोध्या से होगी और इसके बाद नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, हम्पी और अंत में दक्षिण भारत के रामेश्वरम द्वीप तक जाएगी, जिसके बाद यह यात्रा दिल्ली लौटकर समाप्त होगी।

भगवान राम से जुड़े 30 से अधिक तीर्थस्थलों के होंगे दर्शन : यात्रा दिल्ली से शुरू होकर 17वें दिन वापस दिल्ली लौटकर समाप्त होगी। आईआरसीटीसी अधिकारियों ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु देशभर से इन स्थलों की यात्रा में रुचि दिखा रहे हैं। आईआरसीटीसी के एक अधिकारी ने कहा, 'राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से यह हमारी पांचवीं 'रामायण यात्रा' है। पहले की सभी यात्राओं को तीर्थयात्रियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।'

रामायण यात्रा का कितना है किराया : यात्रा का किराया तृतीय श्रेणी वातानुकूलित यान (थर्ड एसी) के लिए प्रति व्यक्ति 1,17,975 रुपये, द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित यान (2ndएसी) के लिए 1,40,120 रुपये, प्रथम श्रेणी वातानुकूलित यान (फर्स्ट एसी) केबिन के लिए 1,66,380 रुपये और 'फर्स्ट एसी' कूप के लिए 1,79,515 रुपये निर्धारित किया है।

पैकेज शुल्क में क्या मिलेगी सुविधा : पैकेज शुल्क में ट्रेन यात्रा, 3 सितारा होटलों में ठहरने की व्यवस्था (सभी श्रेणियों के लिए), शुद्ध शाकाहारी भोजन, वातानुकूलित बसों से यात्रा एवं दर्शन, यात्रा बीमा और आईआरसीटीसी यात्रा प्रबंधक की सेवाएं शामिल हैं।

कहा से शुरू होगी और कहा तक जाएगी : आईआरसीटीसी के अनुसार, यह यात्रा दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और आधुनिक सुविधाओं वाली 'भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन' के जरिये संचालित की जाएगी। इस ट्रेन में दो रेस्त्रां, आधुनिक किचन, कोच में शावर क्यूबिकल्स, सेंसर आधारित शौचालय, फुट मसाजर जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें 'फर्स्ट, 'सेकंड और थर्ड एसी' की श्रेणियों में यात्रा की सुविधा होगी।

अयोध्या से सीतामढ़ी के करेंगे दर्शन : सुरक्षा के लिए प्रत्येक कोच में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि यात्रा की शुरुआत अयोध्या से होगी, जहां श्रद्धालु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी और राम की पैड़ी (सरयू घाट) का दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद नंदीग्राम स्थित भारत मंदिर का भ्रमण किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि अगला पड़ाव बिहार का सीतामढ़ी होगा, जहां यात्री सीता जी के जन्मस्थान और नेपाल के जनकपुर स्थित राम जानकी मंदिर का दर्शन करेंगे।

रामरेखा घाट से रामेश्वरम तक : इसके बाद बक्सर में रामरेखा घाट और रामेश्वरनाथ मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, तुलसी मंदिर, संकट मोचन मंदिर का दर्शन कराया जाएगा और लोग गंगा आरती भी देखेंगे। आईआरसीटीसी ने बताया कि इसके बाद यात्रियों को प्रयाग, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट की यात्रा सड़क मार्ग से कराई जाएगी, जिसमें रात्रि विश्राम की भी व्यवस्था होगी।

महाराष्ट्र में भी पहुंचेगी ट्रेन : आईआरसीटीसी ने कहा कि इसके बाद ट्रेन महाराष्ट्र के नासिक पहुंचेगी, जहां त्र्यंबकेश्वर मंदिर और पंचवटी क्षेत्र का दर्शन कराया जाएगा। इसके बाद हम्पी में अंजनाद्री पर्वत (हनुमान जी का जन्मस्थान), विट्ठल और विरुपाक्ष मंदिरों का भ्रमण कराया जाएगा। ट्रेन यात्रा का अंतिम पड़ाव रामेश्वरम होगा, जहां रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी शामिल हैं। यात्रा 17वें दिन दिल्ली लौटकर समाप्त होगी।

तपस्या का प्रारूप क्या हो

हम सभी का जीवन, ईश्वरीय संतानों का जीवन, ब्राह्मण बनने के बाद का जीवन और उसका पैमाना, उसका मापदंड क्या हो सकता है? और क्या होना चाहिए? तो बहुत गहन दृष्टि से, गहन भाव से अगर उसको देखा जाये तो हम पायेंगे कि जो हमारा लक्ष्य ईश्वरीय जीवन मिलने के पहले नहीं था, जो ईश्वरीय जीवन मिलने के बाद हमको लक्ष्य मिला, उन दोनों के बीच में कितना गैप है, कितना बड़ा अंतर है।

हम सभी यहाँ पर सबकुछ छोड़ना चाहते हैं, और कहा जाता है कि एक-एक चीज़ से लगाव हमारे दुःख का कारण है और उसको छोड? का, हटाने का तरीका परमात्मा ने हमको सिखाया कि निमित्तपन का भाव लाओ। निमित्तपन की स्थिति बनाओ। लेकिन निमित्तपन का भाव, निमित्तपन की स्थिति लाने के लिए हम सबका जो अटेन्शन है वो बहुत कम है। कारण उसका एक है कि जो प्राप्तियां हमको अपनी उस जीवन में नहीं हुईं, वो यहाँ होने लगीं। होने लगीं तो हम धीरे-धीरे इस ज्ञान को उसमें यूज़ करने लगे, कि नहीं, जीने के लिए ये भी तो चाहिए, ये भी तो चाहिए, ये भी तो ज़रूरी है। क्योंकि अगर हम ऐसे नहीं रहेंगे तो सेवा कैसे करेंगे? कार्य कैसे करेंगे? तो कहने का मतलब ये हुआ कि जो चीज़ हम करने आये थे उससे धीरे-धीरे हमारा मोह किसी ओर की तरफ मुड़ गया।

आप सोचो कि परमात्मा हमको कर्मातीत बनाना चाहते हैं। कर्म करके भूलना सिखाते हैं कि आप कर्म करके भूलोगे तो खुश रहोगे। इच्छाओं को कम करोगे तो समस्याएं ऐसे ही कम हो जायेंगी। बहुत सारी बातें ऐसी छोटी-छोटी बाबा हमको सिखाते हैं। लेकिन ये सारी बातें एक साइड में और उलझन बढ़ती जा रही है। और हम सबका जीवन भी ना डबल जीवन है, डबल जीवन का मतलब? क्योंकि एक ट्रेनिंग तो मिल ही गई है कि हमको खुश रहना है सबके सामने। मुस्कुराहट के साथ बोलना है, मिठास के साथ बोलना है, ये एक ट्रेनिंग है, उन्नति नहीं है। ये हमारा नेचर नहीं बना है। तभी तो हम बीच-बीच में काफी देर तक इस भाव को रख नहीं पाते। जब रख नहीं पाते तो दुबारा कहते हैं कि हमको पुरूषार्थ और करना है।

तो परमात्मा कहते हैं कि तपस्या इसी बात की तो है। ये कितना जड़ तक मैंने इन सारी चीज़ों को जीता है। तो हम सबको बैठ करके या खड़े होकर या चल-फिर कर या किसी भी तरह से मनन-चिंतन करके इन बातों से बाहर खुद को निकालना है कि हम सबके अन्दर निष्काम कर्मयोगी वाला भाव कब तक आयेगा? क्योंकि हम संगमयुग पर हर चीज़ परमात्मा से मांगते हैं कि हमारा ये अच्छा हो, ये अच्छा हो, ये अच्छा हो। और हमारे आत्मबल से वो अच्छा हो ही रहा है, हो जाता है। क्योंकि हम सब भी तो आत्माएं परमात्मा की संतान हैं, जो संकल्प करेंगे वो तो होना ही है। लेकिन जो संकल्प हमको करना चाहिए वो साइड में है। हमको ये करना है कि हम निष्काम कर्मयोगी बनें, कर्म करके भूलें, उन संकल्पों में तो एक बार भी ध्यान नहीं है। तो ये सिर्फ और सिर्फ खुद को तसल्ली देने के लिए लेकिन खुद पर काम करने के लिए ज़रूरी है कि हम थोड़ा जगें और थोड़ा बैठकर सोचें कि अभी तक वो सन्तुष्टि, वो खुशी क्यों नहीं है! क्योंकि जो चीज़ हमको करनी है, निष्काम कर्मयोगी वाली भावना लानी है, वो भूल गई है। छुपाना, ऊपर-नीचे करना, झूठ बोलना, इधर-उधर करना, सही किसी से नहीं रहना, डबल फेस, बहुत कुछ है जो दुनिया में भी है। वहाँ तो लोग अलर्ट हैं लेकिन यहाँ पर हम सबके आपस में अन्दर-अन्दर जो सोच है, संकल्प हैं वो मिलते नहीं हैं तो उसका रिज़न तो यही है, उसका कारण तो यही है कि अन्दर के वातावरण में बाहर के वातारण के साथ हार्मनी नहीं है। इसीलिए सबके साथ वो वाले सम्बन्ध नहीं हैं, सच्चे और साफ। हर कोई कमी महसूस कर रहा है।

तो इस बात की अगर तपस्या शुरू हो जाये कि हमको सच में निष्काम कर्मयोगी बनना है, सच में निमित्तपन के साथ जीना है, सच में कर्मातीत बनना है, सच में इन बातों से बाहर निकलना है तो वही रियल तपस्या होगी। और यही तपस्या यज्ञवत्सों ने की जो शुरू में आदि रतन बने परमात्म के बच्चे। तो चलो इन भट्टियों में इन सारी बातों से बाहर निकलने के लिए कुछ पुरूषार्थ की चीज़ों को अपने जीवन में अपनाते हैंष्ठ

दिनचर्या में अटेन्शन रखें –

वाणी में संयमता और मधुरता हो।

- जो चाहते हैं उसे अपने जीवन से जोड़ें।
- सच्चाई-सफाई और सादगी को लक्ष्य बनायें।
- इस अमूल्य जीवन को मूल्यवान बनायें।

सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी रार

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तवारीख का काला दौर ही है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द जोड़े गए। ऐसे में इन शब्दों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को अक्सर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।'

जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं। संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ।

संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को 'धर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ' बनाने माँग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, 'राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए।' अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, 'इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।' नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है?

जनखबर
jankhabarnews@gmail.com

'आप लोगों को सीवर मिक्स पानी पीने के लिए कह रहे हैं...' हाईकोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को लगाई फटकार

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

दिल्ली के कुछ इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति के मामले पर सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को फटकार लगाई है. चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि आप लोगों को सीवर मिक्स पानी पीने के लिए कह रहे हैं. जब तक कोई कोर्ट नहीं आ जाता तब तक आप खुद वहां जाकर चेक भी नहीं करते हैं.

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली जलबोर्ड को फटकार लगाई है। मामला मिश्रित जल का है। कोर्ट ने कहा कि क्या आप चाहते हैं कि लोग दूषित पानी पिएं?

पुरानी पाइपलाइन बदलने के संबंध में सख्त निर्देश : हाईकोर्ट ने पूर्वी दिल्ली के योजना विहार इलाके में पुरानी पाइपलाइन बदलने के संबंध में सख्त निर्देश जारी किए और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को चेतावनी दी कि नाकाम रहने पर इसे गंभीरता से लिया जाएगा. हाईकोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को फटकार लगाते हुए कहा कि लोगों को सीवर मिला हुआ पानी मिल रहा है, इससे ज्यादा दुखद क्या हो सकता है. हालांकि, हाईकोर्ट ने मामले का दायरा बढ़ाकर उसमें पूरी दिल्ली को शामिल करने से इनकार कर दिया. हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप अगर पूरी दिल्ली का मुद्दा उठाएंगे तो हाईकोर्ट के लिए उसे मानीटर करना मुश्किल होगा.

घरों में काले रंग का और गंदा पानी की आपूर्ति : दरअसल, पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में गंदा पानी आ रहा है. पूर्वी दिल्ली के स्थानीय लोगों ने इस बारे में दिल्ली जल बोर्ड से शिकायत की. इनकी शिकायत के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड ने कोई कार्रवाई नहीं की. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को पेयजल से संबंधित समस्याओं को दूर करने का निर्देश देते हुए निरीक्षण कर रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करने का निर्देश दिया.

घर-घर जाकर पानी की जांच करें : सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि कई लोगों के घरों में काले रंग का पानी आ रहा है. दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को दिल्ली के नागरिकों के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना चाहिए. कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों से कहा कि आप पेयजल के लिए आने वाले पानी का रंग देखिए. आप घर-घर जाकर पानी की जांच कीजिए और उसके बाद कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल कीजिए.

पानी में सीवर का पानी भी मिलता है : याचिका पेशे से वकील ध्रुव गुप्ता ने दायर किया है. याचिका में कहा गया है कि पूर्वी दिल्ली के योजना विहार, आनंद विहार, जागृति एन्क्लेव और आसपास के दूसरे इलाकों में आपूर्ति किए जाने वाला पेयजल काफी दूषित आता है. इन इलाकों में आने वाले पानी में सीवर का पानी भी मिलता है, जिसकी वजह से इन इलाकों में रहने वाले लोग काफी जोखिम में हैं.

दिल्ली के इस इलाके में जमकर गरजा बुलडोजर, पक्के निर्माण तोड़े तो मच गया हड़कंप

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

पूर्वी दिल्ली में लोनी रोड पर अतिक्रमण के खिलाफ एसटीएफ ने निगम और पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की। दुर्गापुरी से शाहदरा जीटी रोड तक फुटपाथों पर बने अवैध निर्माण तोड़े गए जिससे राहगीरों और डीटीसी बसों को हो रही परेशानी दूर हो सके।

पूर्वी दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली में लोनी रोड पर शाहदरा की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अतिक्रमण के खिलाफ बृहस्पतिवार को कार्रवाई की। कार्रवाई में निगम, दिल्ली पुलिस, पीडब्ल्यूडी व प्रशासन और बीएसईएस की टीम शामिल हुई। दुर्गापुरी से लेकर शाहदरा जीटी रोड तक कार्रवाई को अंजाम दिया गया। बुलडोजर से फुटपाथ पर किए गए स्थायी अतिक्रमण को तोड़ा गया। कई खोके व ठेलियों को धवस्त कर दिया गया। पुलिस व पीडब्ल्यूडी से कहा किया है वह दोबारा से अतिक्रमण न होंने दें। निगम ने सामान भी जब्त किया। एसडीएम शाहदरा तपन झा ने कहा कि शिकायत मिल रही थी कि लोगों ने लोनी रोड पर अतिक्रमण किया हुआ है। राहगीरों के साथ ही वाहन चालकों को परेशानी होती है। डीटीसी ने इस रूट पर बस सेवा शुरू की है। बसों को चलने में दिक्कत आ रही थी। प्रशासन ने सभी विभागों को बुलाया और ओचक कार्रवाई को अंजाम दिया। लोगों ने दुकान व मकान में जाने के लिए फुटपाथ पर सीढियां बना ली थी। उन्हें बुलडोजर से तोड़ा गया है। दावा किया कि इस कार्रवाई के बाद डीटीसी की बसें जाम में नहीं फंसेंगी।

अधिकारी ने यह भी कहा कि अगले कुछ दिनों में फिर से कार्रवाई की जाएगी। लोग अपने कारोबार करें, लेकिन सड़क व फुटपाथ पर अतिक्रमण न करें।

प्रीत विहार व निर्माण विहार में भी हुई कार्रवाई : निगम के शाहदरा दक्षिणी जोन ने प्रीत विहार व निर्माण विहार में कार्रवाई की। निगन ने फुटपाथों को खाली करवाया। लकड़ी के खोके व ठियों को तोड़ा। निगम की टीम पहुंचते ही यहां अतिक्रमण करने वालों में खलबली मच गई। निगम की टीमों ने अतिक्रमणकारियों का सामान भी जब्त किया। पुलिस से कहा गया है कि दोबारा से अतिक्रमण न होने दें।

ऑनलाइन दोस्ती के चक्कर में फंसा युवक, लड़की और उसके साथियों ने किया अगवा , पुलिस की फुर्ती से बची जान

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक को ऑनलाइन दोस्ती के बहाने फंसाकर अगवा कर लिया गया। दिल्ली पुलिस की फुर्ती से युवक की जान बच पाई, वरना साज़िश कुछ और बड़ी हो सकती थी।

दरअसल, 20 साल का निखिल पाल उर्फ चेतन, दो महीने से 'खुशी' नाम की लड़की से वॉट्सऐप पर बात कर रहा था। 3 जुलाई को निखिल उससे मिलने गया और फिर लौटकर घर नहीं आया। उसी दिन उसकी बहन को निखिल के फोन से एक कॉल आया – फोन पर एक अनजान लड़का था जिसने खुद को खुशी का भाई बताया।

उसने कहा कि निखिल को होटल में खुशी के साथ पकड़ा है और अब वो घर नहीं लौटेगा। इसके बाद फोन स्विच ऑफ कर दिया गया।

लोकेशन ट्रैक कर पहुंची पुलिस : परिवार ने तुरंत शकरपुर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम ने CDR सेल की मदद से मोबाइल लोकेशन ट्रैक की और सबसे पहले नोएडा सेक्टर-6 पहुंची। वहां निखिल नहीं मिला। थोड़ी देर बाद मोबाइल फिर ऑन हुआ, और लोकेशन मिली मयूर विहार मेट्रो स्टेशन के पास यमुना खादर इलाके में।

पकड़े गए आरोपी : पुलिस जब मौके पर पहुंची तो देखा कि कुछ लोग निखिल को पीट रहे थे। पुलिस को देखकर सभी भागने लगे। इस दौरान एक आरोपी बाइक समेत गिरा और पकड़ा गया। उसकी पहचान 31 साल के संजीव कुमार लोहिया (निवासी त्रिलोकपुरी) के रूप में हुई। उसके पास से निखिल का फोन भी बरामद हुआ।

मकसद-फंसाकर पैसे ऐंठना था : निखिल ने बताया कि वह खुशी से मिलने लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन गया था। वहां से वो खुशी के साथ इंदिरापुरम मॉल गया। लौटते वक्त कुछ लड़कों ने उसका अपहरण कर लिया, एक सुनसान जगह ले जाकर पीटा और परिवार को धमकी दी। निखिल ने ये भी बताया कि खुशी भी पूरे प्लान में शामिल थी और उसी ने उसे फंसाया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह और उसके साथी इस प्लान को दो महीने से बना रहे थे। उनका मकसद था निखिल को फंसाकर डराना और पैसे ऐंठना।

पुलिस की जनता से अपील : सोशल मीडिया पर किसी अजनबी से दोस्ती करने से पहले सावधानी ज़रूर बरतें। अनजान लोगों से मिलने अकेले ना जाएं। बच्चों के ऑनलाइन व्यवहार पर पेरेंट्स नज़र रखें और संवाद बनाए रखें। कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत 112 पर कॉल करें। दिल्ली पुलिस ने वक्त रहते एक बड़ी वारदात टाल दी। आगे की जांच जारी है।

37 करोड़ रुपये खर्च किए... 9 करोड़ लीटर पानी छोड़ा, फिर भी वेलकम झील सूखी, नशेड़ियों ने बनाया उड्डा

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

सौंदर्यीकरण के बाद उत्तर-पूर्वी दिल्ली इलाके में स्थित वेलकम झील अब घास का मैदान बन गई है। झील में एक बूंद पानी नहीं है। झील परिसर बदरंग दिखाई देने लगा है। हैरानी वाली बात है कि 2018 से 2022 तक इस झील के सौदर्यीकरण पर करीब 37 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। इसके बावजूद झील उपेक्षित नजर आ रही है।

झील के पुनरुद्धार के बाद उसमें करीब साढ़े नौ करोड़ लीटर पानी भी छोड़ा गया था लेकिन झील में दूर-दूर तक सूखा मैदान ही नजर आ रहा है। 33 एकड़ में फैले झील परिसर में पर्यटन स्थल, समारोह स्थल और पार्क बनाया जाना था। साथ ही बच्चों के लिए खेल का मैदान, बुजुर्गों के बैठने का स्थान, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइटें, लाइट एंड साउंड शो, लेजर शो, कैफेटेरिया, बैंड स्टैंड, एम्फी थियेटर, मैडिटेशन गार्डन, बोटिंग और फाउंटेन जैसी चीजें भी बनाई जानी थीं, लेकिन करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद सिविक एजेंसियों की अनदेखी के चलते झील की पुरानी रौनक नहीं लौटी।

पड़ताल के दौरान देखने को मिला कि सौंदर्यीकरण के बाद झील परिसर के प्रवेश द्वार पर झुग्गियां बन गई हैं। इसके अलावा झील के पास लोगों के लिए बनाया गया सामुहिक बैठक स्थल बड़ी-बड़ी घास में दब गया है, जिससे वहां बैठने की जगह खत्म हो गई है। इसके अलावा झील के पास बना फाउंटेन अब सिर्फ गड्ढा बनकर रह गया है। फाउंटेन में न तो फव्वारा है और न ही पानी।

खेल मैदान में खोद दिए गड्ढे : स्थानीय लोगों ने बताया कि परिसर में बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाया गया था, जिसमें बच्चों के लिए कुछ झूले लगाए गए थे। इससे सुबह-शाम बच्चे मैदान में खेल सकें। ऐसे में मैदान में सुबह-शाम बच्चे क्रिकेट खेलते थे लेकिन बच्चों की संख्या अधिक होने से नगर निगम ने मैदान में गड्ढे खुदवा दिए। इससे मैदान में बच्चे आना बंद हो गए। अब मैदान के पास दिन-रात सिर्फ असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

पैदल पथ जर्जर, खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटें : झील के चारों तरफ लोगों के टहलने के लिए बनाया गया पैदल पथ जर्जर अवस्था में हैं। पथ पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे लोगों को आवाजाही करने में परेशानी होती है। ऐसे में लोग टहलने के लिए नहीं आते हैं। इसके अलावा पार्क में लगी स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं।

ऐसे में अंधेरे का फायदा उठाकर चोर मैदान में लगे झूले चोरी कर लेते हैं। परिसर में कई बार चोरी हो चुकी हैं। झील परिसर में बुजुर्गों के बैठने के लिए बनाया गया टीन शेड टूट कर खंडहर हो गया है। शेड की छत टूटी पड़ी है। साथ ही शेड में बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियों की जगह अब सिर्फ मिट्टी रह गई है।

नाबालिग लड़की को पहले छेड़ा फिर चेहरे पर थूक कर हुए फरार, दो आरोपी गिरफ्तार

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में 15 वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि चार मार्च को लड़की अपनी सहेली के साथ शनि बाजार रोड के पास से गुजर रही थी, तभी बाइक और स्कूटर पर सवार चार लोगों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया और अश्लील टिप्पणियां कीं। उन्होंने बताया कि जब लड़की ने उनका विरोध किया तो आरोपियों ने उसे गालियां दीं और उनमें से एक ने उसके (लड़की के) चेहरे पर थूक दिया। अधिकारी ने बताया कि डर के कारण लड़की ने पहले तो चुप्पी साधे रखी लेकिन 30 जून को उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

उन्होंने बताया कि 30 जून को नंद नगरी थाने में भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

अधिकारी ने बताया, 'एक टीम बनाई गई और जांच के दौरान मिली जानकारी के आधार पर सुंदर नगरी निवासी एक आरोपी अफनान (19) की पहचान कर उसे पकड़ लिया गया।'

उन्होंने बताया कि अफनान ने शुरू में जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन लगातार पूछताछ के बाद उसने उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद निवासी सह-आरोपी समीर (22) के बारे में जानकारी दी, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि अपराध के दौरान आरोपियों द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक स्कूटर भी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बाकी दो आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है और मामले की जांच जारी है।

क्रिप्टो करेंसी दिलवाने के नाम पर 57 लाख की ठगी, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली।। करोल बाग थाना पुलिस टीम ने कारोबारी को क्रिप्टो करेंसी दिलवाने के नाम पर 57 लाख की ठगी करने के मामले में पुलिस पांच आरोपियों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में प्रवीन कुमार, नितिन शर्मा, राकेश कुमार दत्ता, अजय चौधरी और अनमोल है। पुलिस ने इनके पास से 57 लाख रुपए बरामद कर लिए हैं।

क्रिप्टो करेंसी दिलवाने के नाम पर 57 लाख की ठगी, 5 गिरफ्तार : मध्य जिला डीसीपी निधिन वल्सन ने बताया कि एसएचओ इंस्पेक्टर साकेत कुमार की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद टेक्निकल सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज से मामले की पड़ताल की। इसके बाद पांच आरोपियों की पहचान कर ली गई। पुलिस ने करोल बाग के रैगरपुरा इलाके से धर दबोचा। सभी ने ठगी में अपना हाथ होने की बात स्वीकार की। इनकी निशानदेही पर ठगी की रकम बरामद कर ली।

आरोपियों के पास नकदी के अलावा एक फॉरच्यूनर गाड़ी, दो स्कूटी व अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस को मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश है। पुलिस उसकी तलाश में दिल्ली-एनसीआर में छापेमारी कर रही है। पुलिस को 30 जून को करोल बाग थाने में 57 लाख रुपये ठगी की एक शिकायत मिली थी। पीडित ने बताया कि अजय और अनमोल नामक दो युवकों ने उनको क्रिप्टो करेंसी दिलवाने का झांसा दिया। आरोपियों ने उनसे कहा कि आने वाले समय में क्रिप्टो करेंसी पर मोटा मुनाफा होने वाला है। इस पर 57 लाख रुपये निवेश करने के लिए वह तैयार हो गए। आरोपी अजय व अनमोल पीडित को एक ट्रैवल्स पर ले गए। वहां उनको शिवम व अन्यों से मिलवाया गया। आरोपियों ने क्रिप्टो दिलवाने के लिए पीडित से 57 लाख रुपये नकदी ले ली। इसके बाद आरोपी गायब हो गए।

जगुआर टीम ने दो नाबालिग ऑटोलिफ्टर को पकड़ा

नई दिल्ली।। मध्य जिला जगुआर टीम ने चोरी की गई स्कूटी के साथ दो नाबालिग ऑटोलिफ्टर पकड़ा है।

जगुआर टीम ने दो नाबालिग ऑटोलिफ्टर को पकड़ा : मध्य जिला डीसीपी निधिन वल्सन ने बताया कि 1 जुलाई को मध्य जिले की जगुआर टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, जब वे सत्य पार्क, शादीपुर-नारायणा रोड पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि दो व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में स्कूटी पर आ रहे थे। संदेह होने पर उन्हें रुकने के लिए कहा गया लेकिन पुलिस पार्टी को देखकर वे भागने की कोशिश करने लगे। टीम ने उनका पीछा किया और थोड़ी देर पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया। इन लोगों को काबू कर लिया गया और पूछताछ करने पर उन्होंने खुद को नाबालिग बताया। उनसे स्कूटी के दस्तावेजों के बारे में पूछा गया, जिसके बारे में वे कोई उचित जवाब नहीं दे पाए, जिसकी जांच करने पर पता चला कि यह पंखा रोड, जनकपुरी के इलाके से चोरी की गई थी।

बेजुबान 'काजल' की तड़पती मौत देख भावुक हुआ मालिक, करंट ने ली घोड़ी की जान

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार इलाके से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. यहां बिजली विभाग की लापरवाही ने एक बेजुबान जानवर की जान ले ली. यह हादसा न सिर्फ एक परिवार के लिए भावनात्मक आघात बनकर आया, बल्कि इसने सरकारी तंत्र की अनदेखी और सुरक्षा मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

गाजियाबाद के लोनी से आयी घोड़ी काजल की दर्दनाक मौत : दरअसल, घटना शुक्रवार देर शाम की है, जब यमुना विहार में एक शादी समारोह की तैयारियां चल रही थीं. इस अवसर पर बारात के लिए गाजियाबाद के लोनी से एक घोड़ी 'काजल' को लाया गया था. शोएब नामक युवक, जो इस घोड़ी का मालिक है, उसे बारात स्थल पर लेकर आया था. शादी की चहल-पहल के बीच शोएब ने घोड़ी को सड़क किनारे खड़ा किया हुआ था.

परिवार के कमाई का जरिया थी घोड़ी काजल : काजल पिछले कई वर्षों से शोएब और उसके परिवार का हिस्सा थी, उन्होंने उसे बचपन से पाला था और वह उनकी रोज़ी-रोटी का भी एक अहम जरिया थी. लेकिन किसी को क्या पता था कि सड़क किनारे मौजूद एक स्ट्रीट लाइट मौत का जाल बन चुकी है. स्ट्रीट लाइट में करंट लीकेज के कारण खुले तारों से सड़क पर करंट फैल गया. जैसे ही काजल उसकी चपेट में आई, वह तड़पने लगी. मौके पर मौजूद चश्मदीद के मुताबिक, घोड़ी कई मिनटों तक छटपटाती रही, लेकिन करंट के कारण कोई भी उसे छू नहीं पाया.

घोड़ी काजल को बचाने की कोशिश में मालिक भी घायल : शोएब ने भी काजल को बचाने की कोशिश की, लेकिन उसे भी करंट का झटका लगा. अपनी आंखों के सामने घोड़ी को मरते देख वह फूट-फूट कर रोने लगा. उसने कहा,'मेरे परिवार ने उसे बच्चों की तरह पाला था. वह हमारी कमाई का जरिया नहीं, परिवार का हिस्सा थी. अगर बिजली विभाग ने समय रहते स्ट्रीट लाइट की मरम्मत कराई होती, तो आज मेरी काजल जिंदा होती.'

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस : घटना की सूचना मिलते ही भजनपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात के खिलाफ लापरवाही से मौत (धारा 429 आदि) का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.इस हादसे के बाद इलाके के लोगों में भी गहरा रोष है. स्थानीय निवासियों का कहना है कि सरकारी तंत्र की लापरवाही के कारण एक बेजुबान जानवर की दर्दनाक मौत हुई है. गनीमत रही कि उस समय कोई इंसान उसकी चपेट में नहीं आया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था.

बिजली विभाग की प्रतिक्रिया : सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और खंभे से बिजली आपूर्ति तुरंत बंद कर दी गई. अब खंभे की मरम्मत और सुरक्षा जांच की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके.

शातिर युवती ने शख्स को प्रेम जाल में फंसाया, फिर मिलने के बहाने कराया अपहरण; सामने आई खौफनाक वजह

एस. एन. गुप्ता
(वरिष्ठ संवाददाता)

पूर्वी दिल्ली।। गणेश नगर इलाके में एक युवती ने वाट्सएप के जरिये एक युवक को अपने प्रेम जाल में फंसाया। उसे हसीन सपने दिखाए। युवक जब बुरी तरह से उसके प्रेम जाल में फंस गया तो उसे मिलने के लिए बुलाया। युवक पहुंचा तो युवती ने अपने दोस्तों से उसका अपहरण करवा दिया। गिरोह के बदमाशों ने बंधक बनाकर युवक की जमकर पिटाई की। युवक के परिवार से फिरौती वसूल पाते। उससे पहले युवक की बहन ने पुलिस को सूचना दे दी।

शकरपुर थाना पुलिस ने युवक को सकुशल बरामद करने के साथ ही मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी संजीव कुमार लोहिया के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने वाली युवती व उसके गिरोह के बाकी बदमाशों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस पता लगा रही है पकड़े गए बदमाश ने कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है।

जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर गणेश नगर निवासी एक महिला ने पुलिस को सूचना दी कि उसके भाई निखिल पाल उर्फ चेतन का किसी ने अपहरण कर लिया है। उसके भाई के नंबर से उसके पास एक अज्ञात ने फोन करके अपहरण के बारे में बताया है। इसके बाद भाई का नंबर बंद जा रहा है।

पीड़ित के मोबाइल की आखिरी लोकेशन नोएडा सेक्टर-छह मिली : मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष कमल किशोर के नेतृत्व में एएसआइ प्रवीण शर्मा, हेड कांस्टेबल अनुराग व राहुल की टीम बनाई। पीड़ित के मोबाइल की आखिरी लोकेशन नोएडा सेक्टर-छह की मिली। पुलिस नोएडा पहुंची। इस बीच युवक का मोबाइल दोबारा खुला तो उसकी लोकेशन इस बार मयूर विहार यमुना खादर की आई। पुलिस टीम यमुना खादर पहुंची। वहां कुछ लोग एक युवक को पीट रहे थे, पुलिस को देखते ही वह युवक को छोड़कर बाइक से वहां से भागने लगे।

पुलिस ने मौके से एक बदमाश को पकड़ लिया। उसके पास से पीड़ित का मोबाइल बरामद हुआ। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि दो माह पहले उसके पास एक अज्ञात नंबर एक युवती का मैसेज आया था। दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई थी। बृहस्पतिवार सुबह 10:30 युवती ने उसे मिलने के लिए लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन पर पर बुलाया। वहां से वह दोनों इंदिरापुरम के एक माल गए। वहां से वह लौटने लगे तो मेट्रो स्टेशन के पास पांच लोगों ने उन्हें घेर लिया। वह युवती को जानते थे। बदमाश युवक का अपहरण कर एक मकान में ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की।

बदमाश ने पुलिस को बताया कि वह साजिश का मास्टरमाइंड है : युवक के फोन से उसकी बहन को काल करके बदमाश ने बताया कि उसका भाई एक युवती के साथ होटल में पकड़ा गया है। वह लोग उसके भाई को छोड़ेंगे नहीं। पकड़े गए बदमाश ने पुलिस को बताया कि वह साजिश का मास्टरमाइंड है। वह दो माह से अपने साथियों आकाश व तरुण और एक युवती के साथ मिलकर युवक के अपहरण की साजिश रच रहा था। उसे आशंका थी युवक के परिवार के पास काफी पैसा है। उसने युवती के जरिये युवक को प्रेमजाल मे फंसवाया था।

ग्रेटर गाजियाबाद बनाने को सर्वे शुरू; ये इलाके होंगे शामिल, 150 से 175 बनाए जा सकते हैं वार्ड

एजेंसी

ग्रेटर गाजियाबाद के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने सर्वे शुरू कर दिया है। खोड़ा, कनावनी, लोनी के साथ इसमें डासना नगर पंचायत और मुरादनगर के कुछ गांव भी शामिल होंगे। इन सभी क्षेत्रों के नक्शे निकाले गए हैं। अब मुरादनगर क्षेत्र में इसकी सीमा कहां तक होगी, इसे लेकर मंथन चला रहा है। उम्मीद की जा रही है कि ग्रेटर गाजियाबाद में 150 से 175 वार्ड बनाए जा सकते हैं। हालांकि, इसका फैसला नए परिसीमन के आधार पर ही होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हाल ही में गाजियाबाद दौरे के दौरान ग्रेटर गाजियाबाद बनाए जाने की घोषणा की गई थी। इसमें कहा गया था कि खोड़ा, लोनी और मुरादनगर क्षेत्र को मिलाकर ग्रेटर गाजियाबाद बनाया जाएगा। इसे नगर निगम का हिस्सा माना जाएगा। घोषणा के बाद से ही जिला प्रशासन ने अन्य विभागों के साथ मिलकर इसकी तैयारी शुरू कर दी। पहले चरण में सभी नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्र के नक्शे निकालवाए गए हैं। इन नक्शों को नगर निगम की सीमा से मिलाया जा रहा है।

ग्रेटर गाजियाबाद में किस क्षेत्र के कितने गांव शामिल किए जाएंगे, इसे भी देखा रहा है। नक्शे मिलाकर यह तय होगा कि ग्रेटर गाजियाबाद की सीमा कहां तक रखी जाएगी। ग्रेटर गाजियाबाद

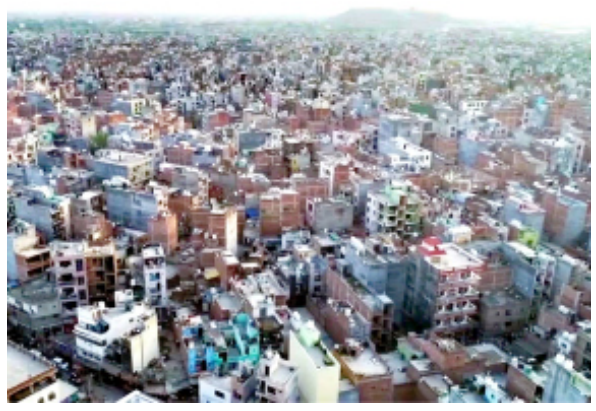

बनने से सभी क्षेत्र का विकास होगा। खोड़ा जैसी क्षेत्र की आबादी जो शहर के बीचों-बीच होने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं से जूझ रही है। अब यहां का विकास भी होगा।

डासना के सभी वार्ड शामिल किए जाएंगे : विभागीय सूत्रों के अनुसार डासना नगर पंचायत के सभी वार्ड को ग्रेटर गाजियाबाद में शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही नगर पालिका मुरादनगर क्षेत्र की कितनी सीमा को इसमें शामिल किया जाएगा और कितने वार्ड इसमें शामिल होंगे, इसे लेकर कवायद चल रही है। सूत्रों की मानें तो ग्रेटर गाजियाबाद की सीमा का निर्धारण सड़क मार्ग से किया जाएगा।

ग्रेटर गाजियाबाद में हो सकते हैं 150 वार्ड : जिला प्रशासन ने खोड़ा नगर पालिका और लोनी नगर पालिका परिषद को गाजियाबाद नगर निगम में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। खोड़ा मकनपुर नगर पालिका क्षेत्र में 34 और लोनी नगर पालिका परिषद में 55 वार्ड हैं। नगर पंचायत डासना में 25 वार्ड हैं। वहीं, मुरादनगर नगर पालिका में भी 25 वार्ड हैं। इन सभी 25 वार्डों को शामिल नहीं किया जाएगा। इसमें शहरी क्षेत्र के सटे कुछ गांवों को ही ग्रेटर गाजियाबाद में शामिल करने की योजना है। इसके बाद पूरे ग्रेटर गाजियाबाद का नया परिसीमन होगा। उम्मीद की जा रही है कि इन सभी को मिलाकर नगर निगम के वार्ड जनसंख्या के अनुसार 150 से 175 वार्ड बनाए जा सकते हैं।

दीपक मीणा, जिलाधिकारी, ''मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्रेटर गाजियाबाद के लिए सर्वे शुरू करा दिया गया है। इसकी सीमा कहां तक होगी और इसमें कौन-कौन से क्षेत्र का कितना हिस्सा शामिल होगा, इस पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जल्द की एक प्रारंभिक रूपरेखा तैयार कर ली जाएगी।''

कलेक्ट्रेट में नमाज पढ़े जाने पर विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने जताई नाराजगी

गाजियाबाद।। गाजियाबाद कलेक्ट्रेट परिसर में नमाज पढ़ने की घटना पर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को सुनियोजित साजिश बताया है।

विधायक ने कहा कि कलेक्ट्रेट जैसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह की गतिविधियां स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

कांवड़ यात्रा पर किसान नेता नरेश टिकैत के बयान को लेकर भी विधायक ने असहमति जताई। उनका कहना है कि कांवड़ यात्रा आस्था का विषय है।

विधायक ने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही प्रशासन से आग्रह किया है कि ऐसे मामलों में तुरंत कदम उठाए जाएं। इससे जिले में शांति और सौहार्द बना रहेगा।

पति-पत्नी ने मिलकर प्रेमी की कर दी बेरहमी से हत्या : पहले बनाए रिश्ते...फिर रिश्तों की आड़ में रची खौफनाक साजिश

एजेंसी

गाजियाबाद के थाना वेव सिटी पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दंपती को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पहले एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या की और फिर शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे बुलंदशहर जनपद में फेंक दिया।

पुलिस के मुताबिक, दिनांक 25 जून 2025 को हामिद अली ने अपने पिता अब्दुल वाहिद के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 28 जून को अब्दुल वाहिद का शव बुलंदशहर के जहाँगीराबाद क्षेत्र में बरामद हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित की गई और 4 जुलाई को

हत्या के अभियुक्त अमित चौधरी और उसकी पत्नी प्रियंका को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक अब्दुल वाहिद और प्रियंका के बीच पुराने संबंध थे। पति अमित को जब इस बात की जानकारी हुई तो उसने अब्दुल वाहिद से दूरी बनाने को कहा। पति की बात मानते हुए पत्नी ने भी अपने रिश्ते की खातिर अब्दुल से दूरी बनाना शुरू कर दिया लेकिन अब्दुल वाहिद इस रिश्ते को खत्म नहीं करना चाहता था और 24 जून को अब्दुल वाहिद प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया दोनों को एक साथ पति अमित ने देख लिया इसके बाद पति के साथ मिलकर पत्नी प्रियंका ने अब्दुल वाहिद को मौत के घाट उतार दिया।

शव को छिपाने के लिए वैगनआर कार का इस्तेमाल किया गया और बुलंदशहर में सुनसान इलाके में फेंक दिया गया। अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, शव ले जाने वाली कार और मृतक की मोपेड बरामद कर ली गई है।

लोनी में विकास कार्यों की रफ्तार तेज:विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने नई सड़क का किया लोकार्पण

लोनी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की गति तेज हो गई है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने क्षेत्र में नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। विधायक गुर्जर ने क्षेत्र के विकास की योजनाओं की जानकारी दी। बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 58 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है। इस राशि से क्षेत्र की पुरानी वायरिंग बदली जाएगी। इससे लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

दिल्ली-सहारनपुर रोड के सुधार के लिए 26 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। लोनी में डिग्री कॉलेज का निर्माण चल रहा है। 50 बेड का अस्पताल बन रहा है। दो आईटीआई और कई नई सड़कों का निर्माण कार्य भी जारी है।

विधायक ने बताया कि पहले लोनी में केवल 3 घंटे बिजली मिलती थी। अब स्थिति में सुधार हुआ है। वर्तमान में 22 से 24 घंटे बिजली की उपलब्धता है। कार्यक्रम के बाद विधायक ने बिजली घर का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों ने विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार जताया।

ट्रॉनिका सिटी थाने में आग, शॉर्ट सर्किट से एक कमरे में लगी आग

गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र स्थित ट्रॉनिका सिटी थाने में सुबह अचानक आग लग गई। थाने के एक कमरे में लगी आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

पुलिस ने फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी। लेकिन थाने में मौजूद जवानों की सूझबूझ से आग को फैलने से पहले ही काबू कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। हालांकि कुछ सूत्रों का कहना है कि मालखाने में रखे सिलेंडर में आग लगने से यह हादसा हुआ।

इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और थाने में उपस्थित सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। कुछ फाइलों और दस्तावेजों के जलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। फिलहाल स्थिति सामान्य है।

मोबाइल दुकान से चोरी का खुलासा : 24 घंटे में दो चोर पकड़े

गाजियाबाद के थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने मोबाइल दुकान से चोरी के मामले को 24 घंटे में सुलझा लिया है। पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 10 मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

कासिम विहार निवासी आजाद ने 2 जुलाई को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी मोबाइल दुकान से अज्ञात चोरों ने 5 मोबाइल फोन चुराए थे। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मैनुअल इनपुट के आधार पर 3 जुलाई को खानपुर तिराहे से दो चोरों को पकड़ा। आरोपी दीपक पासवान और अरशद दिल्ली के उत्तमनगर के रहने वाले हैं। दोनों नशे के आदी हैं। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने 28 जून को रामपार्क स्थित मोबाइल दुकान से चोरी की थी। दीपक दुकान में घुसा और सोए हुए दुकानदार का फायदा उठाकर मोबाइल चुरा लिए। आरोपियों ने दिल्ली में भी कई चोरियां की हैं।

पुलिस ने आरोपियों से पोको, सैमसंग, ओप्पो, वीवो और रियलमी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार दोनों का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उनके अन्य अपराधों की जानकारी जुटाई जा रही है।

कार सवार युवकों ने की पिटाई: हंसने पर भड़के आरोपियों ने किया हमला

एजेंसी

गाजियाबाद के थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक चार आरोपियों को जेल भेजा है।

1 जून 2025 को पुराना हेबतपुर, थाना बिसरख गौतमबुद्धनगर निवासी बबलू ने शिकायत दर्ज कराई। उसके बेटे ध्रुव के साथ कार सवार लोगों ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर गंभीर धाराएं जोड़ीं। 6 जून को तीन आरोपी जाकिर, अरशद और दीपक यादव को गिरफ्तार किया। चौथा आरोपी सौरभ फरार था।

3 जुलाई को पुलिस ने सौरभ को महागुन मस्कट सोसाइटी के पास से पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि घटना वाले दिन एक व्यक्ति की गाड़ी पेड़ से टकरा गई। वे लोग हंसने लगे। इस पर व्यक्ति ने अभद्रता की। गुस्से में आकर सौरभ और उसके साथियों ने उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने सौरभ को जेल भेज दिया है। उसके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

लोनी में नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार:अश्लील वीडियो बनाकर किया शोषण, पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

एजेंसी

गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी मिला है।

पीड़िता की मां ने 4 जुलाई 2025 को थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया कि आरोपी पवन कुमार ने उनकी बेटी से दोस्ती की। फिर बहला-फुसलाकर अपने घर बुलाया और दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने वीडियो भी बना ली। आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर किशोरी को कई बार अपने घर बुलाया और शोषण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि पीड़िता से दोस्ती के बाद उसे घर बुलाया और दुष्कर्म किया। वीडियो बनाकर उसे धमकाता रहा और कई बार शोषण किया।

दूध डेयरी के टेंपो से बैटरी व दूध की कैरट चुराने वाले दो गिरफ्तार

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की पाइप लाइन रोड स्थित दूध डेयरी के टेंपो की बैटरी व दूध के कैरट चुराने वाले दो चोरों को पुलिस ने शुक्रवार को सेवा धाम मंडोली रोड से गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो बैटरी व 450 रुपये की नकदी व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है। पाइप लाइन रोड पर राजीव भाटी की अमूल दूध की डेयरी है। उन्होंने बताया कि पहले 6 जून और 20 जून की रात को चोरों ने दूध डेयरी के सामने खड़े टेंपो से बैटरी चुरा ली थी। उसके बाद चोरों ने 30 जून को डेयरी के सामने से दूध की दस कैरट व 1 जुलाई को दूध की 14 कैरट चुरा ली थी।

चोरों ने महज दो सप्ताह के अंदर डेयरी पर तीन बार चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। उन्होंने पुलिस से चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की सहायता से चोरों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने शुक्रवार को बाइक पर बैटरी ले जा रहे दो युवकों को रोका तो वह घबरा गये। इन्होंने अपने नाम राहुल व नीतीश कुमार निवासी मीत नगर दिल्ली बताए। पूछताछ में इन्होंने बैटरी को डेयरी के सामने खड़े टेंपो से चुराना स्वीकार किया। दोनों ने बताया कि उन्होंने अलग अलग दिन दो बार में डेयरी के सामने रखी दूध की 24 कैरट चुराकर नंद नगरी में राह चलते व्यक्ति को बेच दी थी।

गले पर निशान देख श्मशान घाट से शव भेजा वापस, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा; अब उठेगा राज से पर्दा!

एजेंसी

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र की अमर विहार कॉलोनी में बृहस्पतिवार की रात युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्वजन अंतिम संस्कार करने के लिए शव श्मशान घाट लेकर पहुंचे लेकिन गले पर निशान देख श्मशान घाट पर मौजूद कर्मचारी ने अंतिम संस्कार करने से इनकार करके शव को वापस भेज दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है। अमर विहार कॉलोनी निवासी रोहित परिवार सहित रहते हैं। बताया कि 23 वर्षीय छोटा भाई राकी ट्रैक्टर चलाता था।

गृह क्लेश के चलते कुछ दिन पूर्व छोटे भाई व उसकी पत्नी में कहासुनी हो गई थी, जिससे नाराज होकर दोनों बच्चों आरोही और सिमरन को लेकर उसकी पत्नी पूजा मायके चली गई थी।

बृहस्पतिवार की रात राकी ने कमरे में लगे पंखे से लटक कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह पंखे से फंदे पर शव लटका देख स्वजन के होश उड़ गए। स्वजन ने भय के कारण शव को फंदे से उतारा और पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले गए।

शुक्रवार सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस को स्वजन ने बीमारी की बात कहते हुए वापस लौटा दिया। श्मशान घाट के कर्मचारियों ने मृतक के गले में निशान देख अंतिम संस्कार से मना कर शव वापस भेज दिया। मृतक के स्वजन ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि प्रारंभ में मृतक के स्वजन ने पुलिस को बीमारी से मौत होने की जानकारी दी थी। बाद में मृतक के स्वजन ने आत्महत्या की जानकारी दी। बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

लोनी में मामूली बारिश से जलभराव : चंद मिनटों की बारिश ने खोली नगर पालिका की पोल

एजेंसी

गाजियाबाद के लोनी में हुई हल्की बारिश ने नगर पालिका की व्यवस्था की पोल खोल दी। मुख्य मार्गों, गलियों और बाजारों में जलभराव हो गया।

लोनी तिराहे वाली रोड पर सबसे ज्यादा पानी भर गया। राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाइक सवार पानी से होकर गुजरे। पैदल चलने वालों को जूते-चप्पल हाथ में लेकर कीचड़ भरी सड़कों से गुजरना पड़ा।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह हर बारिश के बाद की स्थिति है। बरसात में जलनिकासी की व्यवस्था न होने से मामूली बारिश में भी सड़कें तालाब बन जाती हैं। इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित

होता है।

नगर पालिका के अधिकारियों से लोगों ने कई बार इस समस्या के समाधान की मांग की है। लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आगे बारिश में यह समस्या और बढ़ सकती है। लोगों ने प्रशासन से जलनिकासी की उचित व्यवस्था करने की मांग की है।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

एजेंसी

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की अमर विहार कालोनी में गुरुवार रात युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक के गले पर निशान देखकर श्मशान घाट के कर्मचारियों ने अंतिम संस्कार करने से इंकार करते हुए शव को वापस भेज दिया। जिसपर परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अमर विहार कालोनी में रोहित रहते है। उन्होंने बताया कि छोटा भाई 23 वर्षीय रॉकी ट्रैक्टर चालक था। गृहक्लेश के चलते उसकी पत्नी पूजा कुछ समय पहले दोनों बेटियों के साथ मायके चली गई थी। रॉकी ने गुरुवार रात कमरे में लगे पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी।

शुक्रवार सुबह भाई को पंखे से लटकता देख परिजनों ने शव को फंदे से उतारा। परिजन पुलिस को सूचना दिए बगैर ही शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट लेकर जाने लगे। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने बीमारी से मौत होने की बात कहते हुए लौटा दिया। उधर मृतक के गले में निशान देखकर श्मशान घाट कर्मचारियों ने अंतिम संस्कार करने से मना करते हुए वापस भेज दिया। जिसके बाद परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि प्रारंभ में मृतक के परिजनों ने पुलिस को बीमारी से मौत होने की जानकारी दी थी। बाद में परिजन ने ही पुलिस को मृतक द्वारा फंदा लगाने और शव को फंदे से उतारने की बात बताई है। एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

ऑन डिमांड शराब सप्लाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

गाजियाबाद।। गाजियाबाद के थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने कांवड़ यात्रा के दौरान चेकिंग के दौरान एक शराब तस्कर को पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर ताहिरपुर कट, वजीराबाद रोड से यशपाल उर्फ संजय को गिरफ्तार किया गया। आरोपी दिल्ली के हर्ष विहार का रहने वाला है।

पुलिस ने आरोपी से 28 पेटी हरियाणा मार्का देशी शराब और एक कार बरामद की है। पूछताछ में यशपाल ने बताया कि वह सोनीपत से सस्ती दरों पर शराब खरीदता था। इसे दिल्ली और गाजियाबाद में ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाता था।

41 वर्षीय आरोपी के खिलाफ पहले भी आबकारी अधिनियम का एक मामला दर्ज है। पुलिस उसके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। थाना शालीमार गार्डन में आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

जनखबर
jankhabarnews@gmail.com

10 बजे 10 मिनट स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीदो को समर्पित मासिक कार्यक्रम मे महान स्वतंत्रता सेनानी राजर्षि देव को श्रद्धापूर्वक याद किया गया

एजेंसी

मोतिहारी 6 जुलाई अशोक वर्मा स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के राष्ट्रीय कार्यक्रम अंतर्गत जिला इकाई द्वारा जिले के महान स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व प्राचार्य रामदयाल प्रसाद सिन्हा के आवास पर स्वतंत्रता सेनानी को याद करो कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कौशल किशोर पाठक ने की कार्यक्रम के शुभारंभ में उपस्थित स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों ने महान स्वतंत्रता सेनानी राजर्षि देव के चित्र पर पुष्प अर्पण किया तथा राष्ट्रगान के साथ संकल्प लिया कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के परिकल्पना का राष्ट्र बनायेगे। वरिष्ठ सदस्य एवं संरक्षक अवकाश प्राप्त प्राचार्य प्रोफेसर विजय शंकर पांडे, उत्तराधिकारी परिवार के प्रदेश महासचिव अशोक वर्मा, अतिथि

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र की प्रभारी बीके विभा, बीके सारिका ,जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ,वरिष्ठ अधिवक्ता एवं उत्तराधिकारी देवव्रत श्रीवास्तव, के अलावा दर्जनो उत्तराधिकारियों ने बड़े ही श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पण कर सेनानियो को याद किया। श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर विजय शंकर पांडे ने कहा कि चंपारण की भूमि क्रांति भूमि है अहिंसा के पुजारी गांधी जी ने यहा सफल चंपारण सत्याग्रह चलाया था,यह भूमि आज हिंसा की शिकार है जो दुख की बात है,हमे गाधी के अहिंसा के सिद्धांत को अपनाना होगा।राजर्षि देव के पुत्र ध्रुव त्रिवेदी ने अपने पिता के भूमिगत संघर्ष के कई संस्मरण सुनाये। उन्होंने कहा कि मेरे पिता ने भगत सिंह को गोविंदगंज से बेतिया गुप्त ठिकाने पर साइकिल से पहुंचाया था । अध्यक्षीय भाषण में कौशल किशोर पाठक ने राष्ट्रीय महासचिव द्वारा इस मौके पर भेजे गए संदेश को पढ़कर सुनाया। प्रदेश महासचिव अशोक वर्मा ने गांधी जी द्वारा शिलान्यास किये गाधी आश्रम परिसर मे शहीद स्मारक के निर्माण का प्रस्ताव रखा। जिला महासचिव इंजीनियर रत्नेश कुमार ने कहा कि संस्था का यह कार्यक्रम पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने में सहायक हो रहा है । ब्रह्माकुमारी विभा बहन ने संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह महात्मा गांधी ने देश को आजादी दिलाई उसी तरह परमपिता परमात्मा शिव बाबा आज पूरे विश्व को बुराइयों से मुक्ति और आजादी दिलाने का कार्य कर रहे हैं ।सभी के लिए समान अवसर है कोई भी लाभ उठा सकता है ।कार्यक्रम में उपस्थित रहने वालों में मुख्य रूप से सचिव रविंद्र कुमार सिंह, एस के सर्राफ, उमेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष चंद्रमा यादव, रूपेश कुमार गुप्ता आदि थे।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों व स्थलों पर कुल 5 ध्यान एवं जागरूकता सत्र आयोजित किए गए

जनखबर संवाददाता

विराटनगर, नेपाल। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों व स्थलों पर कुल 5 ध्यान एवं जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिनमें कुल 1523 लाभार्थियों ने सहभागिता की। Pinnacle Secondary School, Bal Jyoti Middle School, Siksha Vikash Secondary School और Siksha Secondary School के विद्यार्थियों को नशे के प्रकार, उनके दुष्परिणाम और नशे से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

उन्हें बताया गया कि किस प्रकार ध्यान, संयमित जीवनशैली और आत्म-संयम से वे शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। अंत में सभी बच्चों ने जीवनभर नशे से दूर रहने की शपथ ली। इसके अतिरिक्त BayaRan Hatiya में भी 200 ग्रामीणों के साथ ध्यान सत्र सम्पन्न हुआ, जिसमें युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह संपूर्ण आयोजन समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक प्रभावशाली कदम सिद्ध हुआ।

घर में मृत मिले तीन एसी मैकेनिक, चौथे की इलाज के दौरान हुई मौत

जनखबर संवाददाता

नई दिल्ली।। दक्षिण दिल्ली के दक्षिणपुरी इलाके में एक घर में एसी की मरम्मत करने वाले चार लोग सोते हुए मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ऐसी आशंका है कि एसी की सर्विसिंग में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के रिसाव से निकली जहरीली गैसों के कारण दम घुटने से उनकी मौत हुई है।

यह मामला तब सामने आया जब दो पीड़ितों के चचेरे भाई जिशान ने उसके भाई द्वारा फोन न उठाने पर पुलिस से संपर्क किया था। पुलिस की एक टीम तुरंत उस घर पर पहुंची, जो कथित तौर पर अंदर से बंद था। जब पुलिस अंदर पहुंची तो उन्हें घर की पहली मंजिल पर चार लोग बेहोश मिले। पुलिस ने बताया कि चारों को डॉ. आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें सफदरजंग अस्पताल और एम्स ट्रॉमा सेंटर स्थानांतरित कर दिया गया।

इलाज के दौरान हुई चौथे मैकेनिक की मौत : पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''तीन लोगों को पहले मृत घोषित कर दिया गया था, जबकि चौथे व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। उसकी पहचान हसीब के रूप में हुई है।' उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान इमरान उर्फ सलमान (30), मोहसिन (20), हसीब और कपिल उर्फ अंकित रस्तोगी (18) के रूप में हुई है। सभी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले थे। अधिकारी ने कहा, ''कमरे में पर्याप्त हवा आने-जाने की व्यवस्था नहीं थी और वहा सामान भरा हुआ था, जिससे यह संकेत मिलता है कि चार लोगों की मौत दम घुटने या एसी गैस भरने वाले सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण जहरीली गैस के संपर्क में आने से हुई होगी। हालांकि, मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चल पाएगा।''

सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने बीके डॉ. दीपक हरके को किया इंटरनॅशनल ग्लोरी अवॉर्ड २०२५ से सम्मानित

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

मुंबई, महाराष्ट्र। नोवोटेल हॉटेल में व्हीकनेक्टस्टार ईव्हेंट्स द्वारा आयोजित अवॉर्ड समारोह में सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने भारत के प्राचीन राजयोग के प्रसार और प्रचार-प्रसार के लिए 183 वर्ल्ड रेकॉर्ड्स करने वाले प्रथम भारतीय प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ध्यान प्रशिक्षक ब्रह्माकुमार डॉ. दीपक हरके को इंटरनॅशनल ग्लोरी अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया। इस अवसर पर विले पारले, मुंबई सेवाकेंद्र की सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर बी। के. क्रीना दीदी, बी. के. विकास बारीक और बी. के. विकास अगरवाल उपस्थित थे।

बी. के. क्रीना दीदी ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को संस्था की गतीविधीयो से अवगत कराते हुये उन्हे ईश्वरीय सौगात प्रदान की तथा उन्हे संस्था के आंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माऊंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

शिव धाम का यह पवित्र भवन नगर को आध्यात्म की नई दिशा देगा : बी.के.सूर्य भाई

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

जीरन, मध्य प्रदेश। ''जीरन नगरी में बना यह नवीन 'शिव धाम' अपनी आध्यात्मिक किरणों के द्वारा नगर में निरंतर सुख-शांति के प्रकम्पन्न प्रवाहित करेगा। इसके सुन्दर हॉल में हमेशा सेवाओं के कार्यक्रम चलते रहेंगे तथा विशेष ध्यान कक्ष के शक्तिशाली वाईब्रेशन हर राजयोग साधक को आध्यात्मिक शक्तियों से परिपूर्ण कर आंतरिक खुशी प्रदान करेगा।''

उपरोक्त विचार विश्व विख्यात प्रेरक वक्ता, मानस मर्मज्ञ एवं संकल्प सिद्ध योगी ब्रह्माकुमार सूर्य

भाई जी ने अपने वक्तव्य में कहे । आप यहाँ ब्रह्माकुमारीज़ की विशाल दो मंजिला भवन के दिव्य प्रवेश के अवसर पर पधारे थे । आपके साथ ही प्रेरक वक्ता, दिव्य प्रभा एवं साहित्स सृजक, अन्तर्राष्ट्रीय विभूति राजयोगिनी बी.के.गीता बहन जी भी उपस्थित थे । दोनों विशिष्ट अतिथि द्वय ने शिवधाम के प्रवेश द्वार पर ओम शान्ति की ध्वनि के साथ नारियल फोड़कर तथा फीता काटकर दिव्य प्रवेश किया तथा शिव भोलानाथ के भण्डारे में अपने हाथों से भोग प्रसादी बनाई, तत्पश्चात बहुत बड़ी संख्या में उपस्थित ब्रह्मावत्सों को संबोधित करके आध्यात्मिक सेवाओं के लक्ष्य देकर मार्गदर्शन दिया ।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में निर्भय, निश्चिंत और खुशहाल जीवन के लिए टिप्स देने वाले कार्यक्रम 'सुख शांति की ओर कदम..' का शुभारंभ अतिथि द्वय ने राजयोगिनी बी.के.सविता दीदी, राजयोगी बी.के.सुरेन्द्र भाई, बी.के.श्रुति बहन, बी.के.ज्योति बहन एवं बी.के.वर्षा बहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज?जवलित कर किया । अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश जी मेहता एवं पूर्व न.पं.अध्यक्ष जीवराज धानुक ने किया।

बी.के.सूर्य भाई जी तथा राजयोगिनी बी.के.गीता दीदी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से सभी को लाभान्वित किया तथा खुशहाल जीवन शैली के अनेक सहज, सरल उपाय बताऐ । स्वागत भाषण बी.के.सविता दीदी ने दिया तथा आभार प्रदर्शन बी.के.सुरेन्द्र भाई ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन बी.के.श्रुति बहन द्वारा किया गया। अंत में सभी को पवित्र प्रसादी वितरित की गई ।

जयपुर बापू नगर: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूर्व संध्या कार्यक्रम–पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय

एजेंसी

जयपुर बापू नगर, राजस्थान। पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर एक दिव्य और आत्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रातः 6:00 बजे से 7 :00 बजे तक चले इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी जयन्ती की विशेष उपस्थिति रही, जिनके सान्निध्य में योग साधना और आत्मिक जागृति का अद्भुत अनुभव सभी को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत शांत और सकारात्मक वातावरण में हुई, जहाँ बीके जयन्ती दीदी ने राजयोग के गूढ़ अर्थों पर प्रकाश डाला – यह केवल शारीरिक योग नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के बीच गहरा संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया है। एक सुंदर योग अभ्यास करवाया, जिससे सभी ने आत्मा की शांति, शक्ति और स्थिरता को अनुभव किया।

यह आयोजन न केवल शरीर के स्वास्थ्य के लिए, बल्कि मन और आत्मा की शुद्धि और सशक्तिकरण के लिए भी एक प्रेरणादायक पहल बना। 'योग केवल व्यायाम नहीं, यह आत्मा की यात्रा है – खुद से परमात्मा तक।'

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की और उनके जीवन पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

नई दिल्ली 6 जुलाई : जनसंघ के संस्थापक, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं कश्मीर के भारत में पूर्ण विलय के लिए जीवन बलिदान करने वाले डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर दिल्ली भाजपा ने आज डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क, दिल्ली गेट स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा की अध्यक्षता में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव, दिल्ली की मुख्य मंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने प्रथम पुष्पांजलि अर्पित करके एकत्रजनों को सम्बोधित किया।

सभी गणमान्य अतिथियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में पेंटिंग का अवलोकन कर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर चांदनी चौक भाजपा अध्यक्ष श्री अरविंद गर्ग ने संगठनात्मक गीत गाया।

कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा के संगठन महामंत्री श्री पवन राणा, विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता, सांसद श्री मनोज तिवारी, श्री योगेन्द्र चांदोलिया एवं सुश्री बाँसुरी स्वराज, प्रदेश महामंत्री श्री विष्णु मित्तल, महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. हर्षवर्धन एवं श्री आदेश गुप्ता, पूर्व सांसद श्री रमेश बिधूड़ी, प्रदेश पदाधिकारी श्री गजेन्द्र यादव, श्री प्रवीण शंकर कपूर, श्री राजीव बब्बर, श्रीमती सुनीता कांगड़ा, श्रीमती सोना कुमारी, श्रीमती सारिका जैन, श्री बृजेश राय, श्री शुभेन्दू शेखरअवस्थी, श्री अमित गुप्ता ..... विधायक श्री मोहन सिंह बिष्ट, श्री अभय वर्मा, श्री अजय महावर, श्री कुलवंत राणा, श्री रवि नेगी,

श्री संजय गोयल, निगम नेता श्री जयभगवान यादव एवं श्री प्रवेश वाही और सभी जिलाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष श्री संतोषा ओझा द्वारा संचालित कार्यक्रम की व्यवस्था मोर्चा कार्यकर्ताओं ने संभाली।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि आज के भारत के निर्माण में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बहुत बड़ा योगदान रहा। उनके विचार से हजारों हजारों की संख्या में कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगे। उनके विचारों से भारत सरकार की नीतियों में एक ऐसा परिवर्तन आया जो जन जन के विकास के लिए माध्यम बन रहा है।

उन्होंने कहा कि उनके विचारों और संघर्षों से एक ऐसा कार्य हुआ जो भारतीय एकता अखंडता भौगोलिक, सांस्कृतिक और राजनीति में एक विशेष परिवर्तन लेकर आया।

श्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस भावना के साथ अपने विचार व्यक्त किए थे उसी भावना को पॉलिसी में परिवर्तित करने का काम श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। श्री वैष्णव ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन में महत्वपूर्ण कार्य किए जिसमें से महत्वपूर्ण तीन बिंदुओं को मैं आपके सामने रखना चाहूंगा।

शिक्षा के क्षेत्र में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अभूतपूर्व परिवार्तन किया। उन्होंने भारतीय भाषाओं को सम्मान देने की वकालत की और उसको प्राथमिकता देने के लिए उन्होंने एक मुहिम चलाई क्योंकि उस वक्त अंग्रेजी भाषा ही बड़ी मानी जाती थी। डॉ मुखर्जी ने कहा था कि अगर भारतीय भाषा में युवा शिक्षा ग्रहण करेंगे तो उनकी समझने की स्थिति बेहतर होगी और आज उसी हिंदी भाषा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया है।

धारा 370 के लिए जो संघर्ष डॉ मुखर्जी ने किया था वह 2019 में हटाया गया जो उनके यात्रा का बहुत बड़ा पड़ाव था। लेकिन यहाँ रुकना नहीं है और आज कश्मीर में हर वह चीजे की जा रही है। भारतीय युवा चाहे भावनात्मक रुप से जुड़े या फिर आर्थिक रुप से वहां से जुड़े वह सारे काम किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं सड़क बनाना हो या फिर रेलवे का ट्रैक का विस्तार करना हो।

तीसरा बिंदु दिल्ली को लेकर है। दिल्ली देश की राजधानी के साथ ही भारत की धड़कन है और इसको संवारने के लिए हमें दिल्ली के जितने रेलवे स्टेशन है उनको अत्याधुनिक करने का काम करना है। उन्होंने दिल्ली के सभी सांसदों से अपील की कि अपने क्षेत्र में जितने भी रेलवे स्टेशन हैं उनका निरीक्षण करें और वहां क्या क्या बेहतर किया जा सकता है उसकी एक लिस्ट बनाए ताकि हम उसको सुधारने का काम करेंगे क्योंकि दिल्ली के रेलवे का बजट मोदी सरकार ने 10 गुना बढ़ाया है और अभी तक शकूरबस्ती और आजादपुर रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक बनाने के लिए मास्टरप्लान तैयार कर लिया गया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने अपने संबोधन में कहा कि हमने पहले भी कहा था कि आपको राष्ट्रवाद और राष्ट्रीयता को समझना है और अगर आपको हिंदुस्तान और उसकी संस्कृति को समझना है तो आपको डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पढ़ना चाहिए। उनकी यात्रा एक राष्ट्रवादी यात्रा है। कैसे उन्होंने बाल्यकाल से लेकर सबसे युवा कुलपति बनने का सफर तय किया और कैसे उन्होंने जब बंगाल में हिंदुओं के उपर अत्याचार हो रहा था तो उस वक्त हिंदुओं को बचाने के लिए और मुस्लिम तुष्टिकरण के खिलाफ आवज उठाने का काम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था।

श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में जब भारतीय जनसंघ की स्थापना हो रहा थी तो उस वक्त जो विचार राष्ट्रवाद का था, उस विचार की परिणीती है भारतीय जनता पार्टी। जिस विचार को अंकुरित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था आज एक वृक्ष के रुप में पूरे देश में सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने हैं। उन्होंने कहा कि जब जम्मू कश्मीर की यात्रा के लिए निकले थे तो श्री केदारनाथ साहनी ने उनके साथ 8 दिन गुजारे थे। उस वक्त जलंधर विश्वविद्यालय में युवाओं ने उन्हें हिंदी में भाषण देने के लिए कहा। डॉ मुखर्जी ने कहा था कि राष्ट्र को जोड़ने वाली हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।

श्री सचदेवा ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने साफ कहा था कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इस बात को उन्होंने संसद में हमेशा उठाया। कश्मीर को लेकर उनकी स्पष्ट नीति थी कि एक देश में दो विधान दो संविधान नहीं चलेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी इस बात की है कि मैं उस पार्टी का कार्यकर्ता हूं जिसने डॉ मुखर्जी के विचारों को आगे बढ़ाया और आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उसे पोषित कर रहे हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि देश को आजाद कराने में लाखो स्वतंत्रता सेनानी देश के लिए बलिदान हुए लेकिन उसके बाद अगर देश को सही रूप से चलाने के लिए बलिदान दिया तो वह डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे। जिन्होंने केंद्र में मंत्री पद को छोड़ दिया और जब कश्मीर की बात आई तो एक देश में दो विधान दो संविधान नहीं चलेगा जैसी बातें कहकर एक मुहिम की शुरुवात की।

उन्होंने कहा कि आज कश्मीर में देश के सबसे उँची चोटी पर एवं चेनाब नदी पर जब वंदे भारत ट्रेन चलती है तो हम भारत दर्शन करते है। जो कश्मीर है वह हमारा है और जो हमारा है वह सारा का सारा है। एक संविधान पूरे देश में लागू है और एक तिरंगा पूरे देश में फहराने से रोकने वाला कोई नहीं है। आज उनके बताए रास्ते पर अनुसरण करते हुए उनके विचारो को आगे बढ़ाने का एक राजनीतिक पार्टी के रूप में हमारा यही कर्तव्य है।

ब्रह्माकुमारीज ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र में मनाया गया आध्यात्मिक ज्ञान दिवस

एजेंसी

भोपाल, मध्य प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र में मंगलवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती जी की 60वीं पुण्यतिथि मनाई गई। बीके डॉ रीना दीदी ने बताया कि सैंकड़ों की संख्या में भोपाल शहर के सम्माननीय भाई बहनों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर जीवन में आध्यात्मिकता के मार्ग को अपनाने का संकल्प लिया। आज का यह कार्यक्रम आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में आयोजित किया गया।

इस बहुत ही सुंदर कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू राजस्थान से पधारे राजयोगी बीके तेजपाल भाई जी ने उपस्थित सभी ब्रह्मवत्सों को मातेश्वरी जी के जीवन में प्रकाश डालते हुए सभी को अवगत करा कर प्रेरणायें दी ।इस अवसर पर बीके रावेन्द्र भाई जी ने सभी को मातेश्वरी जी के दिव्य आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी ।

बीके डॉ रीना दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कॉमेंट्री के माध्यम से कराया, जिससे सभी ने अपनी अंतरात्मा में आध्यात्मिकता का प्रकाश फैलता हुआ महसूस किया। उपस्थित सभी भाई बहनों ने मातेश्वरी जी को गुलाब के सुगंधित फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के पश्चात् सभी ने ब्रह्मा भोजन स्वीकार किया।

अब अचानक कार्डियक डेथ के खतरे की हो सकेगी पहचान! नई एआई तकनीक आएगी काम, बीमारी का जोखिम हो जाएगा कम!

अमेरिकी शोधकताओं ने 'मार्स' नामक एआई मॉडल विकसित किया है जो अचानक कार्डियक डेथ के जोखिम वाले मरीजों की पहचान 89% सटीकता से करता है. यह मॉडल कार्डियक एमआरआई और स्वास्थ्य रिकॉर्ड का विश्लेषण करता है.

अमेरिकी शोधकर्ताओं ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल बनाया है जो अचानक कार्डियक डेथ (हृदय गति रुकने से अचानक मौत) के उच्च जोखिम वाले मरीजों की पहचान करने में मौजूदा मेडिकल गाइडलाइंस से कहीं बेहतर है. इस एआई मॉडल का नाम 'मल्टीमॉडल एआई फॉर वेंट्रिकुलर अरिदमिया रिस्क स्ट्रैटिफिकेशन' है.

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह मॉडल कार्डियक एमआरआई तस्वीरों और मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को मिलाकर छिपे हुए चेतावनी भरे संकेतों का पता लगाता है. यह तकनीक दिल से जुड़ी बीमारियों के जोखिम का अनुमान लगाने में कहीं ज्यादा सटीकता प्रदान करती है.

अचानक कार्डियक डेथ का कारण : 'नेचर कार्डियोवास्कुलर रिसर्च' जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी पर ध्यान दिया गया, जो एक सामान्य आनुवंशिक हृदय रोग है और युवाओं में अचानक कार्डियक डेथ का एक प्रमुख कारण है.

तकनीक बताएगी किन मरीजों को खतरा : जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता नतालिया ट्रायानोवा ने बताया, 'कई मरीज जवानी में ही इस रोग के कारण मर रहे हैं, क्योंकि उनका सही समय पर इलाज नहीं हो पाता. वहीं, कुछ लोग अनावश्यक रूप से डिफाइब्रिलेटर के साथ जीवन बिता रहे हैं. हमारा एआई मॉडल 89 प्रतिशत सटीकता के साथ यह बता सकता है कि कौन से मरीज को अचानक मृत्यु का अधिक खतरा है.'

कौन से संकेत बनते हैं कार्डियक डेथ का कारण : अमेरिका और यूरोप में इस्तेमाल होने वाली मौजूदा मेडिकल गाइडलाइंस में जोखिम वाले मरीजों की पहचान करने की सटीकता केवल 50 प्रतिशत अनुमानित है. इसकी तुलना में 'मार्स' मॉडल ने 89 प्रतिशत सटीकता दिखाई. खास तौर पर 40 से 60 साल के मरीजों, जो सबसे ज्यादा जोखिम में हैं, उनके लिए यह सटीकता 93 प्रतिशत तक रही.

यह मॉडल कंट्रास्ट-एन्हांस्ड एमआरआई स्कैन का विश्लेषण करता है और हृदय में घावों के पैटर्न को समझता है, जो पहले डॉक्टर्स के लिए समझना मुश्किल था. डीप लर्निंग तकनीक के जरिए यह मॉडल उन प्रमुख संकेतों को पहचानता है, जो अचानक कार्डियक डेथ का कारण बन सकते हैं.

जॉन्स हॉपकिन्स के कार्डियोलॉजिस्ट और सह-लेखक जोनाथन क्रिस्पिन ने बताया, 'यह एआई मॉडल मौजूदा एल्गोरिदम की तुलना में जोखिम की भविष्यवाणी को काफी बेहतर बनाता है और चिकित्सा क्षेत्र में बदलाव ला सकता है.'

शोधकर्ता अब इस मॉडल को और अधिक मरीजों पर आजमाने और इसे अन्य हृदय रोगों, जैसे कार्डियक सारकॉइडोसिस और एरिथमोजेनिक राइट वेंट्रिकुलर कार्डियोमायोपैथी के लिए इस्तेमाल करने की योजना बना रहे हैं.

3 महीने तक पिएंगे घी वाली कॉफी तो शरीर को मिलेंगे ये फायदे

घी कॉफी, जिसे बुलेटप्रूफ कॉफी भी कहते हैं, केटोजेनिक डाइट फॉलो करने वालों में लोकप्रिय है. इसमें ब्लैक कॉफी में देसी घी मिलाया जाता है. यह एनर्जी, वेट लॉस और फोकस बढ़ाने में मददगार है.

आजकल हेल्थ ट्रेंड्स में घी कॉफी, जिसे बुलेटप्रूफ कॉफी भी कहा जाता है, काफी चर्चा में है. खासतौर पर केटोजेनिक या लो-कार्ब डाइट फॉलो करने वाले लोग इसे सुबह की शुरुआत के लिए आदर्श मानते हैं. इसमें ब्लैक कॉफी में देसी घी मिलाकर पिया जाता है. ऐसा माना जाता है कि यह कॉफी न सिर्फ लंबे समय तक एनर्जी देती है, बल्कि वेट लॉस और फोकस बढ़ाने में भी मददगार होती है. लेकिन अगर आप हर दिन लगातार 3 महीने तक घी कॉफी पीते हैं, तो इसका असर आपके शरीर पर क्या होगा? इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमने न्यूट्रिशन एक्सपर्ट से सलाह ली.

कंसल्टेंट डाइटीशियन और डायबिटीज एजुकेटर कनिका मल्होत्रा बताती हैं कि घी में कॉन्जुगेटेड लिनोलिक एसिड (CLA) और ब्यूटायरेट जैसे अहम फैटी एसिड पाए जाते हैं. CLA फैट कम करने और वेट कंट्रोल में मदद करता है, वहीं ब्यूटायरेट पेट के स्वास्थ्य को सुधारता है और पाचन क्रिया को मजबूत करता है. इसके अलावा घी शरीर में एनर्जी को लंबे समय तक बनाए रखने में भी सहायक होता है. ये सभी तत्व मिलकर आपके डाइजेस्टिव और मेटाबॉलिक सिस्टम को मजबूती प्रदान करते हैं.

घी कॉफी के फायदे : एक्सपर्ट के अनुसार जब कैफीन और घी एक साथ मिलते हैं, तो ये शरीर को दोहरी ऊर्जा देते हैं. कैफीन तुरंत एक्टिवनेस और अलर्टनेस बढ़ाता है, जबकि घी धीरे-धीरे एनर्जी रिलीज करता है जिससे लंबे समय तक थकान महसूस नहीं होती. घी कॉफी पीने से कुछ फायदे भी हैं जैसे- एनर्जी लेवल में सुधार. कैफीन से तुरंत एनर्जी आती है, घी से लंबे समय तक स्टैमिना बरकरार रहता है. यह फोकस और कंसन्ट्रेशन बढ़ाता है. कैफीन ब्रेन एक्टिविटी बढ़ाता है. मेटाबॉलिज्म में तेजी आती है. दोनों मिलकर फैट बर्न और वेट मैनेजमेंट में सहायक होते हैं.

जहां घी कॉफी के कई फायदे हैं, वहीं इसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी हैं, जिनका ध्यान रखना जरूरी है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, घी में कैलोरी काफी अधिक होती है. ज्यादा मात्रा में सेवन करने से यह वजन बढ़ा सकता है. लगातार अधिक कैलोरी लेने से शरीर में एक्स्ट्रा फैट जमा हो सकता है जो मोटापे, हार्ट डिजीज, टाइप 2 डायबिटीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है. इसके अलावा, घी में पाए जाने वाले सैचुरेटेड फैट अगर जरूरत से ज्यादा लिए जाएं, तो कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ सकता है. बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल दिल की धमनियों में प्लाक बनाता है, जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ता है.

किन लोगों को बचना चाहिए

- कनिका मल्होत्रा बताती हैं कि कुछ लोगों को घी कॉफी से बचना चाहिए, जैसे
- जिन्हें हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है.
- पाचन से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे लोग.
- वजन कम करने की कोशिश कर रहे व्यक्ति.
- और ऐसे लोग जिन्हें कोई क्रॉनिक मेडिकल कंडीशन है.

घी कॉफी को डाइट में शामिल करने के पहले अपने शरीर की जरूरतों को समझना जरूरी है. यह एक अच्छा हेल्दी विकल्प हो सकता है बशर्ते आप इसे सीमित मात्रा में, हाई क्वालिटी (grass-fed) घी के साथ लें और साथ में संतुलित डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल भी बनाए रखें. घी कॉफी कोई जादुई उपाय नहीं है, लेकिन यह हेल्थ रूटीन का एक स्मार्ट हिस्सा जरूर बन सकता है.

योगा टीचर ने बताया महिलाओं को जरूर करने चाहिए ये 5 योगासन, कभी नहीं पड़ेगी डॉक्टर के पास जाने की जरूरत

महिलाओं को उम्र बढ़ने के साथ ही कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने लगती हैं. ऐसे में योगा टीचर के बताए ये 5 योगा पोज महिलाओं को जरूर करने चाहिए. इन योगा आसनों से सेहत दुरुस्त रहती है.

योगा करने पर शरीर को एक नहीं बल्कि कई फायदे मिलते हैं. इससे शारीरिक के साथ ही मानसिक सेहत भी अच्छी रहती है. देखा जाए तो हर व्यक्ति को योगा करने के लिए कहा जाता है. लेकिन, ऐसे कुछ योगासन हैं जो खासतौर से महिलाओं की सेहत के लिए अच्छे साबित होते हैं. इन योगासन को करने पर महिलाओं को पीरियड्स से लेकर कमर के दर्द, पेल्विक फ्लोर, वेट मैनेजमेंट और PCOS वगैरह में भी फायदा मिलता है. योगा टीचर आकांक्षा गावा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ऐसा ही वीडियो शेयर किया है जिसमें वे बता रही हैं ऐसे 5 योगासन के बारे में जो हर महिला को जरूर करने चाहिए.

मलासन से वायु निष्कासन : वायु निष्कासन को गैस रिलीज पोज कहते हैं. यह आसन पाचन, कोर स्ट्रेंथ और मेंस्ट्रुअल हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होता है. इससे कोर पर असर पड़ता है, पाचन बेहतर होता है और वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है. मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने में भी यह आसन फायदेमंद होता है. मलासन और वायु निष्कासन करते हुए 5-10 गहरी सांसे लें और सांस लेते हुए मूव करें.

कैट काऊ पोज: इस योगासन को मार्जरी आसन कहते हैं. इस योगासन को करने पर मेंस्ट्रुअल क्रैंप्स से खासतौर पर राहत मिलती है. यह महिलाओं को प्रेग्नेंसी और पोस्टमार्टम के दौरान भी फायदेमंद साबित होता है. इस योगासन से स्पाइनल मोबिलिटी बढ़ती है, कोर स्ट्रेंथ बेहतर होती है, कमर के निचले हिस्से में होने वाले दर्द से राहत मिलती है. इससे पेल्विक फ्लोर कंट्रोल में भी मदद मिलती है. इस आसन को 5-10 सांसों तक करें और सांस लेते हुए मूव करते रहें.

चक्की चालासन : चक्की चालासन में मूवमेंट बिल्कुल चक्की चलाने जैसी ही होती है. इस पोज में कोर स्ट्रेंथ बढ़ती है. इससे पाचन बेहतर होता है और रिप्रोडक्टिव हेल्थ अच्छी रहती है. इस आसन को 10 बार क्लॉकवाइज और 10 बार काउंटर क्लॉकवाइज करें और सांसों को स्टेडी रखें.

सेतु बांधासन : प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए इस आसन को किया जा सकता है. इससे मेंस्ट्रुअल हेल्थ भी अच्छी रहती है, पेल्विक ऑर्गन्स स्टिम्यूलेट होते हैं और यूट्रस से ओवरीज तक ब्लड फ्लो बेहतर होने में मदद मिलती है. इस योगसन को करने पर इंफ्ध्ए के लक्षण कम होने में असर दिखता है. इससे हॉर्मोनल इंबैलेंस भी कम होता है. इसे 30 सेकंड से 1 मिनट तक किया जा सकता है, गहरी सांस लेते रहें.

देवी आसन : इस योगासन को देवी आसन या गोड्डेस पोज कहते हैं. योगा टीचर के अनुसार इस आसन में महिला अपने अंदर की शक्ति से जुड़ती है, शक्ति यानी डिवाइन फेमिनिन एनर्जी. इस पोज से हिप्स खुलने में मदद मिलती है, लोअर चक्र एक्टिवेट होते हैं, और स्ट्रेंथ और सोफ्टनेस के बीच बैलेंस बनता है. इस पोज को 30 सेकंड से 1 मिनट तक किया जा सकता है.

क्या खून से भी फैल सकती है डायबिटीज की बीमारी? डॉक्टर ने बताई हैरान करने वाली बात

डायबिटीज एक संक्रामक रोग नहीं है और यह खून के जरिए नहीं फैलती है. डॉक्टर्स के अनुसार यह बीमारी लाइफस्टाइल, जेनेटिक और शारीरिक कारणों से होती है. यह बीमारी खून से दूसरे व्यक्ति में ट्रांसफर नहीं होती है.

डायबिटीज की बीमारी महामारी की तरह फैल रही है और दुनियाभर में करोड़ों की तादाद में लोग इससे जूझ रहे हैं. डायबिटीज होने पर लोगों का ब्लड शुगर लेवल अनकंट्रोल हो जाता है और इसे कंट्रोल करने के लिए दवा या इंसुलिन की डोज लेनी पड़ती है. डायबिटीज का खतरा उन लोगों को ज्यादा होता है, जिनके परिवार में इस बीमारी की हिस्ट्री रही हो. हालांकि कई अन्य कारणों से भी यह बीमारी हो सकती है. यह बीमारी ब्लड शुगर से रिलेटेड है और इसी वजह से कई लोग इसे खून से फैलने वाली बीमारी मानते हैं. क्या वाकई डायबिटीज खून से फैल सकती है? इस बारे में डॉक्टर से जान लेते हैं.

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत ने बताया कि डायबिटीज कोई संक्रामक बीमारी नहीं है. यह किसी के संपर्क में आने, एक साथ खाना खाने, एक ही बर्तन या कपड़े इस्तेमाल करने या खून के संपर्क से नहीं फैलती है. डायबिटीज दो प्रकार की होती है- टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज. टाइप 1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून कंडीशन होती है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम पैंक्रियाज की इंसुलिन बनाने वाली सेल्स पर हमला कर देता है. वहीं टाइप 2 डायबिटीज खराब लाइफस्टाइल, मोटापा, तनाव और अनुवांशिक कारणों से होती है.

डॉक्टर ने बताया कि डायबिटीज वायरस या बैक्टीरिया से नहीं होती है. यह किसी भी प्रकार के ब्लड ट्रांसफ्यूजन या संपर्क से दूसरे व्यक्ति में ट्रांसफर नहीं होती है. अगर किसी डायबिटिक व्यक्ति का खून किसी स्वस्थ व्यक्ति को चढ़ाया जाता है, तो उस व्यक्ति को डायाबिटीज नहीं होगी. डायबिटीज पूरी तरह से नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज है. यह एक मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जो शरीर में इंसुलिन के सही से काम न करने के कारण होता है. यह खून के जरिए ट्रांसफर नहीं हो सकता, क्योंकि इसमें कोई इंफेक्शियस एजेंट शामिल नहीं होता है. किसी व्यक्ति को डायबिटीज नहीं है, तो वह केवल खून चढ़ाने से डायबिटिक नहीं बन सकता है.

एक्सपर्ट की मानें तो डायबिटीज एक लाइफस्टाइल डिजीज है. ज्यादा जंक फूड खाना, एक्सरसाइज न करना, नींद की कमी, स्ट्रेस, मोटापा और फैमिली हिस्ट्री इसके बड़े कारण हैं. टाइप 2 डायबिटीज खासतौर पर उन लोगों में होती है, जो शारीरिक रूप से कम सक्रिय रहते हैं और जिनकी खान-पान की आदतें असंतुलित होती हैं. वहीं टाइप 1 डायबिटीज आमतौर पर बचपन या किशोरावस्था में सामने आती है और इसके पीछे अनुवांशिक कारण होते हैं. इस तरह यह स्पष्ट है कि डायबिटीज खून से नहीं फैलती और यह किसी भी तरह से छुआछूत की बीमारी नहीं है. डायबिटीज से बचने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय पर जांच कराना सबसे प्रभावी उपाय हैं.

उम्र के हिसाब से कितना होना चाहिए आपका वजन? इस फॉर्मूले की लें मदद

आजकल शरीर का बढ़ता वजन कई गंभीर समस्याओं की वजह बन रहा है. इसका सबसे बड़ा दोषी अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खानपान है. वजन बढ़ने से धीरे-धीरे इंसान अंदर से टूटने लगता है. ऐसे जरूरी है कि खुद के वजन को मेंनटेन रखें. हालांकि, ज्यादातर लोगों में ये कंफ्यूजन होती है कि आखिर शरीर का वजन होना कितना चाहिए? उम्र के हिसाब से शरीर का परफेक्ट वजन कितना होता है? यदि आप भी सही जानकारी करना चाहते हैं तो बॉडी मास इंडेक्स (BMI) की मदद ले सकते हैं. मेडिकल साइंस में बीएमआई फॉर्मूला के जरिए किसी भी व्यक्ति का परफेक्ट वजन निकाला जाता है. इसकी मदद से आपका सही वजन पता चल जाएगा. हालांकि, बीएमआई फॉर्मूला वयस्कों पर लागू होता है, बच्चों पर नहीं. अब सवाल है कि आखिर बीएमआई कैसे निकाला जाता है? शरीर का वजन जानने के लिए बीएमआई कैसे निकालें? आइए जानते हैं इस बारे में-

क्या है बीएमआई का साइंस : मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक, हर किसी का शरीर अलग होता है और उनका वजन भी अलग अलग कारकों से निर्धारित किए जाते हैं. ये कारक आयु, ऊंचाई और लिंग के आधार पर तय किए जा सकते हैं. शोधकर्ताओं का मानना है कि सही उम्र में अपने वजन को कंट्रोल ना किया जाए तो ये आगे चलकर बीमारियों की वजह बन सकता है और एक उम्र के बाद परेशानियों खड़ी कर सकता है.

बीएमआई निकाले का तरीका : मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक, बॉडी मास इंडेक्स (BMI) का मतलब है कि लंबाई और वजन का संतुलन क्या होना. यानी लंबाई के हिसाब से वजन कितना होना चाहिए या वजन के हिसाब से लंबाई कितनी होनी चाहिए. बीएमआई निकालने के लिए किसी व्यक्ति की ऊंचाई और वजन को एक फॉर्मूले में सेट करना होता है, जिसका फॉर्मूला- 'BMI= वजन / ऊंचाई (मीटर में) का वर्ग या BMI= वजन / (ऊंचाई X ऊंचाई)' है.

बीएमआई फॉर्मूला ऐसे समझें : इस फॉर्मूले को समझने के लिए, यदि अगर किसी का वजन 60 किलोग्राम है और लंबाई 5 फुट है. तो उस व्यक्ति का बीएमआई 25.54 होगा. इस फॉर्मूले में सेट करने के लिए पहले हाइट को मीटर में बदल लीजिए. 5 फुट हाइट का मतलब है कि व्यक्ति 1.53 मीटर का है. अब 1.53 मीटर को 1.53 मीटर से गुणा कर देंगे. यह 2.35 मीटर होगा. अब वजन 60 किलो को 2.35 से भाग दे देंगे. इसके बाद शेषफल 25.54 होगा. इस तरह किसी व्यक्ति का बीएमआई निकाला जाता है. सामान्यतया 25 बीएमआई को हाइट और वेट का परफेक्ट संतुलन माना जाता है लेकिन 5 फुट के व्यक्ति का अगर वजन 60 किलो है तो इसका मतलब है कि उसका वजन बढ़ा हुआ है.

सही बीएमआई कितना होगा

यदि किसी का बीएमआई 18.5 से 24.9 के बीच है तो यह परफेक्ट वेट है. लेकिन यदि किसी का बीएमआई 18.5 से नीचे है तो उसे अंडरवेट, बीएमआई 25 से 29.9 के बीच है तो उसका वजन बढ़ा हुआ है. वहीं, यदि किसी का बीएमआई 30 से ज्यादा है तो इसका मतलब है कि उसे मोटापा की बीमारी है.

बीएमआई से वजन का सही समय : 1अपने शरीर का वजन खाली पेट मापने का प्रयास करना चाहिए. वजन रोजाना की बजाय सप्ताह में कम से कम एक बार करना चाहिए. ऐसे में अंतर आसानी से देखा जा सकता है. इसके अलावा साप्ताहिक वजन लिखने से यह भी पता चलता है कि हर महीने कितना वजन कम हुआ है.

बहरेपन के इलाज में बड़ी कामयाबी! नई जीन थेरेपी से सुनने की क्षमता में सुधार, बच्चों और वयस्कों के लिए वरदान

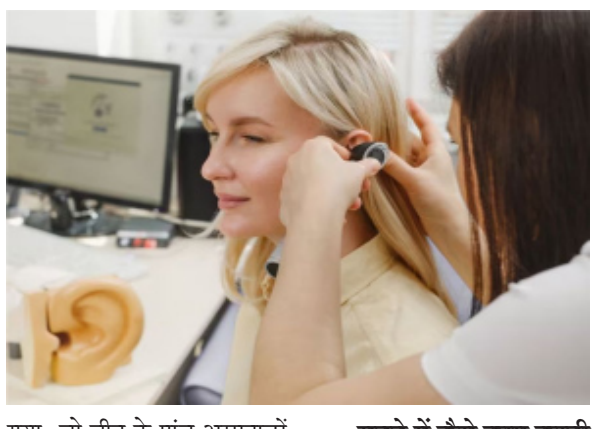

स्वीडन और चीन के शोधकताओं ने नई जीन थेरेपी विकसित की है, जिससे जन्मजात बहरापन या गंभीर सुनने की समस्या से जूझ रहे बच्चों और वयस्कों की सुनने की क्षमता में सुधार हुआ है.

वैज्ञानिकों ने एक नई जीन थेरेपी विकसित की है, जो जन्मजात बहरापन या गंभीर सुनने की समस्या से जूझ रहे बच्चों और वयस्कों के लिए वरदान साबित हो सकती है. स्वीडन और चीन के शोधकर्ताओं की एक टीम ने इस थेरेपी का सफल परीक्षण किया, जिससे 10 मरीजों की सुनने की क्षमता में सुधार हुआ. यह अध्ययन 'नेचर मेडिसिन' जर्नल में प्रकाशित हुआ है. इस शोध में 1 से 24 साल की उम्र के 10 मरीजों को शामिल किया गया, जो चीन के पांच अस्पतालों में भर्ती थे.

सुनने में कैसे काम करती है ये थेरेपी : ये मरीज ओटीओएफ जीन में म्यूटेशन के कारण बहरापन या गंभीर सुनने की समस्या से पीड़ित थे. यह म्यूटेशन ओटोफेर्लिन प्रोटीन की कमी का कारण बनता है, जो कान से दिमाग तक ध्वनि संकेत भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. जीन थेरेपी में कान के अंदरूनी हिस्से में एक खास तरह के सिंथेटिक वायरस (एएवी) का इस्तेमाल करके ओटोएफ जीन का एक वर्किंग वर्जन पहुंचाया गया. यह एक ही इंजेक्शन के जरिए कोक्लिया (कान का एक हिस्सा) के आधार पर मौजूद एक झिल्ली (जिसे राउंड विंडो कहते हैं) से दिया गया.

जीन थेरेपी से ऐसे मिलेगा लाभ : इस थेरेपी का असर तेजी से दिखा. मात्र एक महीने में ज्यादातर मरीजों की सुनने की क्षमता में सुधार हुआ. छह महीने बाद हुए फॉलो-अप में सभी मरीजों में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई. औसतन, मरीज 106 डेसिबल की ध्वनि को सुनने में सक्षम थे, जो पहले की तुलना में 52 डेसिबल तक बेहतर हो गया.

खास तौर पर 5 से 8 साल के बच्चों में यह थेरेपी सबसे ज्यादा प्रभावी रही. सात साल की एक बच्ची ने चार महीने में लगभग पूरी सुनने की क्षमता हासिल कर ली और वह अपनी मां के साथ रोजमर्रा की बातचीत करने लगी. वयस्क मरीजों में भी यह थेरेपी कारगर साबित हुई. स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ माओली दुआन ने बताया, 'यह बहरेपन के जेनेटिक इलाज में एक बड़ा कदम है. यह मरीजों की जिंदगी को बदल सकता है. हम अब इन मरीजों की निगरानी करेंगे ताकि यह पता चल सके कि यह प्रभाव कितने समय तक रहता है.' इस थेरेपी को सुरक्षित और अच्छी तरह सहन करने योग्य पाया गया. यह सफलता बहरापन के इलाज में नई उम्मीद जगाती है.

जनखबर
jankhabarnews@gmail.com

डोनाल्ड ट्रंप की बहू की होगी दूसरी शादी? इस महान खिलाड़ी को कर रही हैं डेट, 10,000 करोड़ का है नेटवर्थ

एजेंसी

नई दिल्ली।। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भला कौन नहीं जानता है। बिजनेस हो या फिर पॉलिटिक्स या पर्सनल लाइफ ट्रंप किसी ना किसी वजह चर्चा में रहते ही हैं। ट्रंप को लेकर पॉलिटिक्स की खबरें तो आपने खूब सुनी और पढ़ी होगी, लेकिन एक खबर उनकी फैमिली से जुड़ी हुई निकल कर सामने आ रही है जिससे सनसनी मच गई है। ये खबर है डोनाल्ड ट्रंप की बहु वैनेसा ट्रम्प की। वैनेसा डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की एक्स वाइफ हैं। वैनेसे और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी साल 2005 में हुई थी, लेकिन 13 साल बाद दोनों का 2018 में तलाक हो गया।

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की पूर्व पत्नी वैनेसा ट्रंप, गोल्फर टाइगर वुड्स को डेट कर रही हैं। 2005 में डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से शादी करने वाली वैनेसा का 2018 में तलाक हो गया था। खबरों के अनुसार, 47 वर्षीय वैनेसा जल्द ही टाइगर वुड्स से शादी कर सकती हैं।

वहीं अब वैनेसा दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स के साथ रिलेशनशिप में हैं और जल्द ही 47 साल की उम्र में वह वुड्स से शादी करने वाली हैं। इसी साल मार्च में पहली बार ये खबर आई थी कि टाइगर वुड्स और वैनेसा ट्रम्प एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। वैनेसा और टाइगर वुड्स ने दुनिया की नजरों से छिप कर 2024 में एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था, सेकिन जल्दी इसके बारे में सबको पता चल गया।

मॉडलिंग और एक्टिंग कर चुकी हैं वैनेसा

बता दें कि वैनेसा डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के साथ शादी से पहले भी काफी मशहूर थीं। खास तौर से उन्होंने मॉडलिंग में खूब नाम कमाया। उन्होंने 20 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके अलावा हॉलीवुड के मशहूर एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो को भी डेट कर चुकी हैं। वैनेसा ने साल 2003 में आई फिल्म 'समथिंग्स गोटा गिव' के एक दृश्य में भी दिखाई दीं थीं। इसके अलावा 2011 में वह अपने ससुर डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा होस्ट किए गए 'द अपरेंटिस' के एक एपिसोड में दिखाई दीं थी।

फिर घुटनों पर आया पाकिस्तान, एशिया कप के लिए हॉकी टीम आएगी भारत, क्रिकेट में क्या होगा?

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम को आगामी एशिया कप में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करने की अनुमति मिल गई है। यह टूर्नामेंट 27 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक बिहार के राजगीर में आयोजित होने वाला है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की है कि गृह मंत्रालय (MHA), विदेश मंत्रालय (MEA) और खेल मंत्रालय तीनों ने पाकिस्तान टीम को मंजूरी दे दी है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी घटनाओं के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी बिगड़ गए थे।

इन घटनाओं के बाद ऐसी अटकलें थीं कि भारत सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा रद्द कर सकती है, जिससे पाकिस्तान हॉकी टीम की भागीदारी पर संदेह पैदा हो गया था। हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने पहले कहा था कि वे सरकार के निर्देशों का पालन करेंगे और स्थिति पर करीब से नजर रखेंगे। हालांकि, अब ऐसा प्रतीत होता है कि भारत सरकार ने खेल और राजनीति को अलग रखने का निर्णय लिया है, कम से कम बहुराष्ट्रीय आयोजनों के संदर्भ में।

पिछली बार पाकिस्तान हॉकी टीम ने पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीनों बाद 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लिया था। इसके बावजूद इस बार एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी खेल कूटनीति के लिए एक सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भविष्य में भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंध किस दिशा में आगे बढ़ते हैं, खासकर जब दोनों देश इस साल के अंत में भारत में आयोजित होने वाले जूनियर विश्व कप में भी आमने-सामने हो सकते हैं।

मंत्रालय के सूत्र ने स्पष्ट किया- हम भारत में किसी भी टीम के बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन द्विपक्षीय (खेल संबंध) अलग मामला है। अंतरराष्ट्रीय खेल की मांग है कि हम प्रतिस्पर्धा से पीछे नहीं हट सकते। रूस और यूक्रेन युद्ध में हैं लेकिन वे बहुराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेते हैं। यह बयान उन अटकलों के बीच आया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान टीम को भारत आने से रोका जा सकता है।

जब उनसे सितंबर में होने वाले क्रिकेट एशिया कप में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देने के बारे में पूछा गया तो सूत्र ने कहा- बीसीसीआई ने अभी तक इस संबंध में हमसे संपर्क नहीं किया है। जब वे हमसे संपर्क करेंगे तो हम इस पर विचार करेंगे। एशिया कप सभी भाग लेने वाली टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2026 हॉकी विश्व कप के लिए एक क्वालीफाइंग इवेंट है, जिसकी सह-मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे।

पाकिस्तान की भागीदारी की पुष्टि यह सुनिश्चित करती है कि वैश्विक हॉकी में इन दोनों पड़ोसी देशों के बीच उच्च-दांव वाले मुकाबले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के ढांचे के भीतर जारी रहेंगे।

सरसों का तेल और चावल हुआ महंगा, टमाटर समेत कई सब्जियों के दाम भी बढ़े, मॉनसून ने बिगाड़ दिया घर का बजट

एजेंसी

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में लोगों को एक बार फिर महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है। क्योंकि, सरसों के तेल में प्रति लीटर 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा चावल के दाम भी बढ़े हैं।

जानकारी के मुताबिक, इस साल लगभग 111 लाख टन सरसों की फसल होने का अनुमान था, लेकिन अब तक करीब 95 लाख टन ही मार्केट में सप्लाई आई है। तेल के थोक कारोबारी हेमंत गुप्ता बताते हैं कि बीते एक महीने में सरसों के तेल में लगभग 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

क्यों महंगा हुआ तेल : इसके पीछे कई कारण हैं। एक तो जून के महीने में सरसों के तेल की डिमांड बढ़ जाती है। जिसकी वजह से दाम में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा कई किसानों ने अभी फसल को मार्केट में नहीं उतारा है। जिससे इसकी कमी बनी हुई है। जिससे सरसों के तेल के दाम में उछाल आया है।

चावल कारोबारी सचिन शर्मा बताते हैं कि इन दिनों ईरान में चावल की सप्लाई प्रभावित है। लेकिन देश में घरेलू चावल की डिमांड कुछ तेज हुई है। जिससे चावल कारोबारियों को थोड़ी राहत मिली है।

बारिश से महंगी हुई सब्जियां : राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश के कारण घर का बजट और बिगड़ गया है। बारिश के चलते सब्जियों के दाम में तेजी आई है। दिल्ली-एनसीआर में टमाटर और हरी सब्जियों की कीमत आसमान पर पहुंच गई है।

टमाटर की कीमत 15 रुपये से बढ़कर 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं शिमला मिर्च 80 किलो तक बिक रही है। बैंगन का भाव 80 रुपये प्रति किलो और भिंडी भी 80 रुपये किलो तक पहुंच गई है। हालांकि अलग-अलग मार्केट के अनुसार सब्जियों की कीमत अलग-अलग हो सकती है।

फसल को पहुंचा नुकसान : सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक बारिश के कारण सब्जियों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे सब्जियों के प्रोडक्शन में काफी कमी आई है। यही कारण है सब्जियों की बाजार में आवक काफी कम है और इनके दाम में तेजी आ रही है।

जितना कातिलाना लुक, उतनी ही करोड़ों की कमाई, जानें 2025 में कौन हैं WWE की टॉप अमीर महिला सुपरस्टार्स

एजेंसी

नई दिल्ली: WWE ने कई सितारों को अपनी मोटी सैलरी से काफी धन कमाने में मदद की है। WWE ही नहीं, लोकप्रियता के साथ बाजार में अपील और जुड़ाव भी आता है, जिससे वे समय के साथ बहुत धन कमाते हैं। टॉप WWE रेसलर्स रेसलिंग रिंग में जो मनोरंजन लाते हैं, वह बेजोड़ है। इसके लिए उन्हें कंपनी की ओर से भारी वेतन मिलता है। इतना ही नहीं, WWE सुपरस्टार अपने बिजनेस, एक्टिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाते हैं। ये चीजें भी हर साल उनकी कुल संपत्ति में योगदान करती हैं।

2025 में WWE की महिला सुपरस्टार्स की कुल संपत्ति की बात करें, तो आइए देखते हैं कि सबसे अमीर कौन है। इस लेख में, हम 2025 में WWE की सबसे अमीर महिला सुपरस्टार्स और उनकी कमाई के बारे में जानेंगे। 2025 में WWE की सबसे अमीर महिला सुपरस्टार्स की लिस्ट यहां दी गई है। इन सभी ने अपने करिश्मा, स्क्रीन पर मौजूदगी, व्यक्तित्व और बिजनेस से काफी धन और संपत्ति जमा की है। कई मीडिया आउटलेट्स और सेलिब्रिटी नेट वर्थ के अनुसार, बेकी लिंच की कुल संपत्ति 7 मिलियन डॉलर है। WWE से उन्हें 3 मिलियन डॉलर की सैलरी मिलती है। बाकी पैसा एंडोर्समेंट और बाहरी प्रोजेक्ट से आता है। वह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला पहलवानों में से एक हैं।

शार्लेट फ्लेयर, WWE की क्वीन ने खुद को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और सफल महिला पहलवानों में से एक के रूप में स्थापित किया है। WWE में एक दशक से अधिक के करियर के साथ, शार्लेट फ्लेयर की कुल संपत्ति लगभग 5 मिलियन डॉलर आंकी गई है।

लिव मॉर्गन WWE की सबसे लोकप्रिय रेसलर्स में से एक हैं। वह कंपनी की बेहतरीन रेसलर्स में से एक हैं। उन्होंने महिला डिवीजन में अपनी खास जगह बनाई है। 2025 में उनकी कुल संपत्ति लगभग 3 मिलियन डॉलर आंकी गई है। WWE से उनकी बेस सैलरी में काफी बढ़ोतरी हुई है। यह लगभग 600,000 डॉलर प्रति वर्ष मानी जाती है।

रिया रिप्ले WWE की ऑस्ट्रेलियाई पावरहाउस हैं। उन्हें स्टैमफोर्ड स्थित प्रमोशन के महिला कुश्ती सेगमेंट के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। रिप्ले ने आलीशान संपत्तियों सहित बहुत धन इकट्ठा किया है। 2025 तक उनकी कुल संपत्ति 1 मिलियन डॉलर से 3 मिलियन डॉलर होने की उम्मीद है।

इन 8 देशों के पास है अमेरिका से बड़ा तेल भंडार, जानिए कौन-कौन हैं लिस्ट में

एजेंसी

नई दिल्ली: पेट्रोलियम को काला सोना कहा जाता है। इससे कई तरह के प्रोडक्ट्स बनते हैं जिनका कई उद्योगों में व्यापक इस्तेमाल होता है। इसके बिजनस पर कब्जा करने के लिए दुनिया देशों के बीच होड़ चलती रहती है। पश्चिम एशिया के कई देशों के इकॉनमी पूरी तरह तेल पर निर्भर है।

अमेरिका दुनिया में तेल का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। लेकिन दुनिया के आठ देशों के पास अमेरिका से बड़ा तेल भंडार है। पेट्रोलियम को काला सोना कहा जाता है। इससे कई तरह के प्रोडक्ट्स बनते हैं जिनका कई उद्योगों में व्यापक इस्तेमाल होता है।

फिलहाल अमेरिका दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है लेकिन उसके पास इसका बहुत बड़ा भंडार नहीं है। दुनिया के आठ देशों में अमेरिका से बड़ा ऑयल रिजर्व है। जानिए किन देशों के पास है कच्चे तेल के बड़े भंडार...

तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के मुताबिक दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास है। इस देश के पास 303 अरब बैरल ऑयल रिजर्व है जो दुनिया के कुल ज्ञात तेल भंडार का 17.3 फीसदी है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर सऊदी अरब है। इस देश का ऑयल रिजर्व 267 अरब बैरल है जो दुनिया का 15.2 फीसदी है। ईरान 209 अरब बैरल के भंडार के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। वेनेजुएला और ईरान उन देशों में शामिल हैं जहां पेट्रोल की कीमत सबसे कम है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

कनाडा एरिया के आधार पर दुनिया का दूसरा बड़ा देश है। इस देश में 163 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है जो दुनिया का 9.3 फीसदी है। इराक में 145 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। इसी तरह यूएई में 113 अरब बैरल, कुवैत में 102 अरब बैरल, रूस में 80 अरब बैरल, अमेरिका में 74 अरब बैरल और लीबिया में 48 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है।

हिंदुओं की हत्या और सीमा विवाद... बांग्लादेश को मिली सजा! BCCI ने क्रिकेट सीरीज पर सुनाया फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली: बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मिलकर अगस्त 2025 में होने वाली भारत की बांग्लादेश वाइट बॉल सीरीज (तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय) को सितंबर 2026 तक के लिए टालने का फैसला किया है। यह फैसला केवल क्रिकेटिंग प्रतिबद्धताओं का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे बांग्लादेश में व्याप्त राजनीतिक अस्थिरता, अल्पसंख्यकों पर हिंसा और भारत के साथ चल रहे सीमा विवादों का भी महत्वपूर्ण प्रभाव माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बांग्लादेश में जो चीजें चल रही हैं और उसका भारत के खिलाफ इंटरनेशनल राजनीति में लगातार उटपटांग बयान देना उसके खिलाफ गया है। इस तरह से विराट कोहली और रोहित शर्मा को इंटरनेशनल क्रिकेट में कमबैक के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

बांग्लादेश में राजनीतिक उथलपुथल और सुरक्षा चिंताएं : हाल के दिनों में बांग्लादेश में गंभीर राजनीतिक उथलपुथल देखने को मिली है। अगस्त 2024 में छात्र विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी और उन्हें देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी थी। इस आंदोलन की शुरुआत सरकारी नौकरियों में आरक्षण नीति के खिलाफ हुई थी, लेकिन धीरेधीरे यह हिंसक रूप लेता गया। इस दौरान देशव्यापी अशांति फैली और सैकड़ों लोगों की मौत हुई। बांग्लादेश में अब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार है, लेकिन इसकी वैधता और स्थिरता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

ऐसे माहौल में बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। समझा जाता है कि भारत सरकार भी चाहती है कि बांग्लादेश में दौरा तभी हो जब वहां एक स्थिर सरकार हो और कानूनव्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में हो। अगले साल की शुरुआत से पहले बांग्लादेश में चुनाव होने की संभावना नहीं है, जिससे यह अनिश्चितता बनी रहेगी।

हिंदुओं पर हमले और भारत से संबंध : बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के बीच हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में वृद्धि देखी गई है। मंदिरों, घरों और दुकानों पर हमले हुए हैं, और चोरी व हत्या की घटनाएं भी सामने आई हैं। ऐसी खबरें भी हैं कि कई हिंदू पुलिस अधिकारियों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। ये घटनाएँ भारत के लिए चिंता का विषय हैं, क्योंकि बांग्लादेश में बढ़ती धार्मिक कट्टरता को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना जा रहा है। भारत, जो धर्म और राजनीति के बीच अलगाव बनाए रखने की वकालत करता है, बांग्लादेश में इस्लामी दलों के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंतित है। इन घटनाओं से दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव आया है, और यह क्रिकेट दौरे के स्थगन का एक अप्रत्यक्ष कारण हो सकता है।

भारत-बांग्लादेश सीमा विवाद का प्रभाव : भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पर भी विवाद बना हुआ है। हाल ही में भारत द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने के प्रयासों पर बांग्लादेश ने कड़ा विरोध जताया है, उनका आरोप है कि यह द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। तस्करी, अवैध घुसपैठ और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए भारत सीमा पर तारबंदी और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी बढ़ा रहा है, जिससे बांग्लादेश में संप्रभुता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि सीधे तौर पर क्रिकेट पर इसका प्रभाव कम दिख सकता है, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंधों में समग्र तनाव ऐसे बड़े आयोजनों के फैसलों को प्रभावित कर सकता है।

भारत के दुश्मन के साथ अजरबैजान ने की 170000000000 रुपये की डील, क्या है इस मुस्लिम देश का प्लान?

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत के दुश्मन पाकिस्तान के साथ अन्य मुस्लिम देश अजरबैजान ने एक बड़ा समझौता किया है। यह समझौता 2 बिलियन डॉलर (करीब 17 हजार करोड़ रुपये) का है। इसका मकसद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। दोनों देशों के बीच पहले से ही अच्छे संबंध हैं। अब वे आर्थिक रूप से भी एक दूसरे का साथ देंगे।

यह समझौता अजरबैजान में शिखर सम्मेलन के दौरान हुआ। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने मुलाकात की। इसके बाद इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और अजरबैजान के अर्थव्यवस्था मंत्री मिकाइल जब्बारोव ने हस्ताक्षर किए। यह कार्यक्रम अजरबैजान के खंकेंडी में हुआ। राष्ट्रपति अलीयेव और प्रधानमंत्री शरीफ भी वहां मौजूद थे।

बढ़ेगा व्यापार और निवेश : रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ेगा। अजरबैजान के राष्ट्रपति जल्द ही पाकिस्तान आएंगे। तब इस समझौते से जुड़ी और भी बातें तय की जाएंगी। अभी उनकी यात्रा की तारीख तय नहीं है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि वे इस साल पाकिस्तान आएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में दिया था पाकिस्तान का साथ : सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान और अजरबैजान के रिश्ते पहले से बेहतर हुए हैं। अजरबैजान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ दिया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष हुआ था। पाकिस्तान और अजरबैजान के बीच रक्षा सहयोग भी अच्छा है। अब वे आर्थिक रूप से भी एक दूसरे को मजबूत करना चाहते हैं।

रूस से पंगा ले रहा है अजरबैजान : अजरबैजान ने न केवल भारत के साथ संबंध बिगाड़ लिए हैं, बल्कि रूस से भी पंगा ले रहा है। यह तब है जब अजरबैजान की भारत और रूस दोनों के साथ अच्छी दोस्ती रही है। लेकिन अब स्थिति बिगड़ गई है। रूस-अजरबैजान संबंधों के बिगड़ने का सिलसिला दिसंबर 2024 में शुरू हुआ, जब रूस में अजरबैजानी एयरलाइंस के विमान को गलती से मार गिराया गया। ग्रोज्नी के पास हुए इस हादसे में 38 लोग मारे गए।

जनखबर
RNI No. DELHIN/2013/52747
संपादक : एस.एन. गुप्ता
मुख्य कार्यालय
J-23A, लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट, नई दिल्ली-24
मोबाईल : 9810683954
Email:jankhabarnews@gmail.com
स्वत्वाधिकारी स्वामी एस.एन. गुप्ता के लिए प्रकाशक और मुद्रक पंकज संधू द्वारा मारूति नंदन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स ए-15, बड़ा बाग, जी.टी. कर्नाल रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित एवं जे-23ए, लाजपत नगर-II नई दिल्ली-110024 से प्रकाशित

काजोल ने ठुकराई थी शाहरुख संग ब्लॉकबस्टर फिल्म, जिसे करने पर दूसरी एक्ट्रेस को मिला अवॉर्ड!

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार काजोल आज खुद एक ब्रांड बन चुकी हैं. उन्होंने अभिनय की दुनिया में अपनी खास पहचान मेहनत और टैलेंट के दम पर बनाई है.

काजोल के करियर में एक के बाद एक कई फिल्में सुपरहिट रहीं. उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करने में कामयाब रहीं.

भले ही काजोल ने कई मशहूर एक्टर्स के साथ काम किया हो, लेकिन उनकी सबसे ज्यादा सराही गई जोड़ी रही शाहरुख खान के साथ, जिसे आज भी आइकॉनिक माना जाता है.

इन दोनों की जोड़ी ने जब-जब स्क्रीन शेयर की, लोगों को जादू सा महसूस हुआ. उनकी ज्यादातर फिल्मों ने जबरदस्त सफलता पाई. बहुत कम लोग जानते हैं कि एक बार काजोल ने शाहरुख खान के साथ एक बड़ी फिल्म करने से मना कर दिया था, जो बाद में सुपरहिट साबित हुई.

क्या आप यकीन करेंगे कि काजोल ने एक ऐसी फिल्म को ठुकरा दिया था, जो न सिर्फ ब्लॉकबस्टर साबित हुई, बल्कि उसके लिए दूसरी एक्ट्रेस को नेशनल लेवल पर अवॉर्ड भी मिला? ये वही फिल्म है जिसमें शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित की केमिस्ट्री ने करोड़ों दिलों को छू लिया था...

साल 1997 की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 'दिल तो पागल है' के लिए काजोल को निशा का रोल ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने इस किरदार को निभाने से इनकार कर दिया.

काजोल के फिल्म को मना करने के बाद ये रोल करिश्मा कपूर को मिला और उन्होंने इसे शानदार ढंग से निभाया. इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला.

फिल्म में शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित ने लीड रोल निभाया था, जबकि करिश्मा ने शाहरुख की करीबी दोस्त का किरदार निभाया, जो दर्शकों को काफी पसंद आया. 'दिल तो पागल है' को लोगों से प्यार ही नहीं बल्कि घ्श्ठं पर 7/10 की रेटिंग भी मिली, जो इसकी लोकप्रियता का सबूत है.

इस रोमांटिक फिल्म ने भारत में 34.97 करोड़ रुपये का नेट और 46.63 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया. वहीं विदेशों में भी फिल्म ने 11.98 करोड़ रुपये का कारोबार किया. कुल मिलाकर 'दिल तो पागल है' ने दुनियाभर में 58.61 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन किया, जो उस समय के लिहाज से बेहद बड़ी रकम थी.

ऐश्वर्या राय से तलाक की अटकलों पर अभिषेक बच्चन का बड़ा बयान- 'पहले मेरी मां और अब पत्नी...'

बच्चन परिवार इंडस्ट्री के बड़े परिवारों में से हैं. परिवार के चार-चार सितारों ने इंडस्ट्री में अपनी कला से लोगों को मुरीद बनाया. अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन ने बॉक्स ऑफिस पर एक से बढ़कर एक फिल्में दी, लेकिन पिछले कुछ समय से ये परिवार सुर्खियों में है. बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की शादीशुदा जिंदगी को लेकर बीते कुछ महीनों से तमाम अफवाहें उड़ रही थीं. सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक की चर्चाएं भी जोरों पर थीं.

अभिषेक बच्चन ने आखिरकार अपने निजी जीवन के बारे में चल रही अफवाहों और अटकलों पर चुप्पी तोड़ दी है. खासकर उन अफवाहों पर जो दावा कर रही थीं कि वह और उनकी एक्ट्रेस पत्नी ऐश्वर्या राय, तलाक ले रहे हैं.

2024 से तलाक के हैं चर्चे

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू में जूनियर बी यानी अभिषेक बच्चन ने इन अटकलों के बारे में बात की. दरअसल, पिछले कुछ समय से अभिषेक और ऐश्वर्या को अलग-अलग स्पॉट किया जा रहा था. फिर अभिषेक की ग्रे डिवोर्स के पोस्ट को लाइक करना, ऐश्वर्या का आराध्या के साथ अकेले छुट्टियों पर जाना जैसी चीजे एक-दूसरे से जुड़ती गईं और लोगों ने खटपट के अंदाजे लगाना शुरू कर दिए.

अब अभिषेक बच्चन ने इस मसले पर बात करते हुए कहा, 'मैं एक खुशहाल परिवार के पास घर लौटता हूं.' उन्होंने आगे कहा कि उनकी पत्नी बाहरी शोर को परिवार पर असर नहीं करने देती. 'कालीधर लापता' एक्टर ने आगे कहा, 'एक बात पक्की है, पहले मेरी मां (जया बच्चन) और अब मेरी पत्नी (ऐश्वर्या राय बच्चन), वे उस बाहरी दुनिया को अंदर नहीं आने देतीं.' अभिषेक ने बातचीत में आगे कहा, 'मैं इस फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा हुआ हूं, इसलिए मुझे भी पता है कि क्या गंभीरता से लेना है और क्या नहीं. मैं सोशल मीडिया पर हो रही चीजों से प्रभावित नहीं होता'.

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय ने 2007 में शादी की थी और उनकी एक बेटी है, आराध्या बच्चन. हालांकि, लंबे समय से अभिषेक और ऐश्वर्या के वैवाहिक जीवन में परेशानी की अफवाहें सुर्खियों में रही हैं. यह सब तब शुरू हुआ जब पिछले साल अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में कपल अलग-अलग मीडिया के सामने आए. बाद में, ऐश्वर्या ने बेटी आराध्या के बर्थडे की पार्टी की तस्वीरें शेयर की, जिसमें बच्चन परिवार को कोई सदस्य नजर नहीं आया. इतना ही नबीं अभिषेक को इस साल कान्स में ऐश्वर्या के लिए चीयर करते हुए भी नहीं देखा गया.

29 का हीरो जब हुआ नॉटी, 53 साल की हीरोइन संग हुआ इंटीमेट, सुर्खियों में रही प्रोड्यूसर के बेटी के साथ लव स्टोरी

बॉलीवुड में ऐसे बहुत से हीरो की कहानी सुनी होगी, जहां उन्होंने पर्दे पर अपने से उम्र में बहुत छोटी एक्ट्रेस के साथ रोमांस और इंटीमेट सीन्स दिए. कई बार तो पर्दे पर ऐसे सीन करते हुए स्टार्स बेकाबू भी हो गए. विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, शाहरुख खान, सलमान खान और अक्षय कुमार सहित कई ऐसे नाम हैं, जिन्होंने अपने से कम उम्र की हीरोइन्स के साथ स्क्रीन शेयर की. लेकिन क्या आप उस एक्टर को जानते है, जिसने 24 साल बड़ी एक्ट्रेस के साथ रोमांस कर सुर्खियां बटोरीं.

जिस एक्टर की हम बात कर रहे हैं वो उसका ताल्लुक बॉलीवुड घराने से है. मम्मी-पापा-भाई सभी सिनमाई पर्दे के जादूगर हैं. ये एक्टर और कोई नहीं बल्कि ईशान खट्टर हैं. 'मैन ऑफ द आवर', 'द रॉयल्स', 'होमबाउंड', 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से वो सुर्खियों में छाए रहे. ईशान फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी पर भी काम कर रहे हैं और लोग उन्हें पसंद भी कर रहे हैं. फाइल फोटो.

5 से पहले नेटफ्लिस पर रोमांस-ड्रामा से भरी वेब सीरीज आई. इस वेब सीरीज को काफी पसंद किया गया. हीरो ने 24 साल बड़ी हीरोइन के साथ पर्दे पर जमकर रोमांस किया, स्ट्रीमिंग के बाद दोनों स्टार सुर्खियों में रहे.

वह अपनी पहली ही वेब सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' से सुर्खियों में छा गए थे. इस सीरीज में उन्होंने उम्र में उनसे 24 साल बड़ी एक्ट्रेस के साथ इंटीमेट और काफी बोल्ड सीन्स दिए थे. उम्र में बड़े होने के बावजूद दोनों की केमिस्ट्री को लेकर काफी सराहना हुई.

एक इंटरव्यू में ईशान ने तब्बू के साथ अपने काम के एक्सपीरियंस को शेयर किया था. उन्होंने कहा, 'मैं और तब्बू एक परफेक्ट जोड़ी थे और इसका श्रेय कहानी के शानदार लेखन को जाता है. अगर हमें किसी और स्क्रिप्ट में कास्ट किया जाता, जिसमें उम्र के फासले को नजरअंदाज किया जाता तो शायद यह अटपटा लगता. लेकिन ए सूटेबल बॉय की स्क्रिप्ट ने हमारे काम को सपोर्ट किया, जिससे सब कुछ स्वाभाविक और सही लगा.'

तब्बू के साथ काम करना उनके लिए सहज और मजेदार अनुभव था. ईशान ने कहा, 'मैं कभी नर्वस नहीं हुआ. हम दोनों के बीच जो इंटीमेट सीन थे, उनके लिए हमें कोई खास तैयारी करने की जरूरत नहीं पड़ी. वो सेट पर बहुत ही मजेदार बातें करती थीं, जैसे – 'लंच में क्या खाना है?' या 'उसने कैसे आंखें मारी थी?' वगैरह. वो बहुत शरारती हैं, एकदम बच्चे जैसी. लेकिन जब कैमरा रोल करता था, तो वो तुरंत अपने किरदार में ढल जाती थीं.' फाइल फोटो.

ईशान ने बताया था कि हम बहुत कुछ बिना बोले भी एक-दूसरे से संवाद कर पा रहे हैं. ऐसा लगा जैसे हमारी आंखें एक-दूसरे से बात कर रही हो. फाइल फोटो.

अपने करियर में कई तरह के किरदार करने वाली तब्बू ने इस सीरीज में वैश्या का रोल भी निभाया हैं. वो 'अ सूटेबल बॉय' वेब सीरीज में इस किरदार में नजर आई थीं. तब ईशान और तब्बू के रोमांटिक सीन ने देखने वालों के पसीने छुड़ा दिए थे. सीरीज में एक्ट्रेस ने भर-भरकर इंटीमेंट सीन हैं.

'हर दूसरी सीरीज में इंटीमेट सीन्स', OTT कंटेंट पर भड़के परेश रावल, कहा- 'अगर आपको गंदगी देखनी है तो...'

बॉलीवुड एक्टर परेश रावल पिछले कई दिनों से 'हेरा फेरी 3' को लेकर चर्चा में हैं. हाल ही में उन्होंने कन्फर्म किया कि अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की फिल्म में उनकी वापसी हो गई है. कुछ समय पहले उन्होंने 'हेरा फेरी 3' से बाहर होने की जानकारी देकर फैंस के हैरान कर दिया था. हाल ही में परेश रावल ने वेब सीरीज में दिखाए जा रहे इंटीमेट सीन्स और गालियों को लेकर अपनी आपत्ति जाहिर की.

बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में परेश रावल से पूछा गया कि पॉलिटिकिल पार्टीज ओटीटी कंटेंट को संस्कारी बनाने की कोशिश कर रही है? इस सवाल पर जवाब देते हुए एक्टर ने कहा, 'मैं आपको एक चुटकुला सुनाता हूं. एक औरत ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई की कि सामने वाली बिल्डिंग में एक आदमी नंगा घूम रहा है. पुलिसवाला आया और खिड़की से देखा और कहा कि मैडम कहां? कुछ दिख तो नहीं रहा है. इसके बाद औरत कहती है कि स्टूल पर चढ़कर देखो न.'

गंदगी देखनी है, तो मिल जाएगी

परेश रावल ने कहा, अगर आपको गंदगी देखनी है, तो मिल ही जाएगी. आप मत देखो ना. कंटेट समाज का आइना है. हम वही दिखाते हैं, जो समाज में मौजूद है. लेकिन हमें अपनी समझदारी का सही इस्तेमाल करना चाहिए. समाज में जो कुछ भी है, उसे जस का तस दिखाना जरूरी नहीं है, कुछ चीजो को संकेतात्मक तरीके से भी पेश किया जा सकता है.'

हर दूसरी सीरीज में होते थे सेक्स सीन्स : एक्टर ने आगे कहा, 'बाद में लोग इसीलिए ऊब गए थे, क्योंकि हर दूसरी-तीसरी सीरीज में गालियां होती थीं, सेक्स सीन्स होते थे, वो भी बिना किसी मतलब के. जिसका कोई-लेना देना नहीं है.

एक समय के बाद दर्शक भी ऐसी चीजें देख-देखकर थक गए. लेकिन जब मेकर्स रुकते नहीं है, तो फिर सरकार को दखल देना पड़ा. सरकार का काम भी है पब्लिक ओपिनियन और पब्लिक टेस्ट को बनाए रखना.'

कब शुरू होगी 'हेरा फेरी 3' की शूटिंग : कुछ दिनों पहले एचटी सिटी से बातचीत में प्रियदर्शन ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी की है, जिसमें अक्षय कुमार और परेश रावल नजर आएंगे. उनके पास अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ एक और प्रोजेक्ट भी लाइन में है. प्रियदर्शन ने कन्फर्म किया कि 'हेरा फेरी 3' की शूटिंग अगले साल शुरू होगी.

'कृष'4 में हाई VFX के साथ ऋतिक संग दिखेंगी तीन बड़ी हीरोइनें, दो नामों ने बढ़ाया फैंस का क्रेज!

बॉलीवुड की सबसे चर्चित सुपरहीरो फ्रेंचाइजी 'कृष' अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार है. ऋतिक रोशन की अपकमिंग फिल्म 'वॉर 2' के बाद अब लोगों की निगाहें 'कृष 4' पर टिकी हैं. इस बार फिल्म की कहानी, स्टारकास्ट और वीएफएक्स स्केल सब कुछ पहले से कहीं ज्यादा भव्य और चौंकाने वाला होने वाला है.

कुछ समय पहले ये खबर आई थी कि प्रियंका चोपड़ा इस फ्रेंचाइजी में वापसी कर रही हैं, जिसने फैंस को जबरदस्त उत्साहित कर दिया था. लेकिन अब सामने आई लेटेस्ट अपडेट ने उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब प्रीति जिंटा और रेखा भी फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हैं. जहां रेखा ने 'कोई मिल गया' और 'कृष' में ऋतिक की मां का अहम किरदार निभाया था, वहीं प्रीति का जुड़ाव इस फ्रेंचाइजी से एक ताजा सरप्राइज है.

फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ऋतिक रोशन इस बार 'कृष 4' में ट्रिपल रोल निभाते नजर आएंगे. ये तीनों किरदार अलग-अलग समय सीमाओं – अतीत, वर्तमान और भविष्य – में दिखाए जाएंगे. कहानी में एक ऐसा बड़ा खतरा होगा, जिसे खत्म करने के लिए कृष को तीन अलग-अलग रूपों में अवतार लेना पड़ेगा. ये कॉन्सेप्ट भारतीय सिनेमा में पहली बार बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जा रहा है.

हालांकि फिल्म में भरपूर एक्शन और वीएफएक्स देखने को मिलेगा, लेकिन इसकी इमोशनल गहराई भी उतनी ही मजबूत होगी. परिवार, रिश्ते और मानवीय संवेदनाओं को कहानी में प्रमुखता दी जाएगी. फिल्म की वीएफएक्स टीम इस वक्त वाईआरएफ स्टूडियो में प्री-विजुअलाइजेशन का काम कर रही है. ये भारत की सबसे बड़ी टेक्नोलॉजिकल फिल्मों में से एक मानी जा रही है.

एक और चौंकाने वाली बात ये है कि इस बार ऋतिक रोशन खुद फिल्म का निर्देशन करने की योजना बना रहे हैं।. वो इस वक्त स्क्रिप्ट को पॉलिश करने के लिए अपनी लेखकों की टीम और आदित्य चोपड़ा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं.

फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन फेज में है लेकिन स्टारकास्ट और स्केल के चलते ये अभी से लोगों की सबसे अवेटेड फिल्मों में से एक बन चुकी है. 'कृष 4' ना सिर्फ एक सुपरहीरो फिल्म होगी, बल्कि ये भारतीय सिनेमा के वीएफएक्स और इमोशनल नरेशन का नया अध्याय भी लिखने वाली है.

'तुम पर लानत है...', सरेआम हुई थी अमिताभ बच्चन की बेइज्जती, धर्मेंद्र-विनोद खन्ना ने तो रिजेक्ट कर दी थी ब्लॉकबस्टर

अमिताभ बच्चन के करियर को अहम बनाने में ब्लॉकबस्टर फिल्म'कालिया' का भी बड़ा हाथ रहा है. फिल्म में अमिताभ बच्चन ने दमदार भूमिका निभाई थी. यह फिल्म उस दौर में कई वजहों के चलते चर्चाओं में रही थी, जिनमें इसकी जबरदस्त डायलॉग डिलीवरी, म्यूजिक, और अमिताभ का रफ एंड टफ लुक शामिल है.

अमिताभ बच्चन की दमदार आवाज, मजबूत डायलॉग डिलेवरी के सभी लोग कायल हैं.आज भी वह उम्र के इस पड़ाव पर हिट की गारंटी बने हुए हैं. सदी के इस महानायक आज भी मेकर्स की पहली पसंद बने हुए हैं. आज भी लोग उनकी दमदार आवाज के मुरीद हैं.

साल 1981 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को धर्मेंद्र और विनोद खन्ना ने रिजेक्ट कर दिया था, तब जाकर अमिताभ बच्चन की किस्मत में ये फिल्म आई और इस फिल्म ने अमिताभ के करियर को नई दिशा दी थी.

फिल्म के राइटर ने अमिताभ की डायलॉग को लेकर बहुत बेइज्जती की थी. दरअसल, अमिताभ के उर्दू नहीं बोल पाने की वजह से राइटर ने उन्हें खरी खोटी सुनाई थी. उन्होंने ये तक कह दिया था कि तुम पर लानत है. हरिवंश राय बच्चन के बेटे हो तुम और उर्दू नहीं बोल पा रहे.

डायरेक्टर टीनू आनंद ने फिल्म का ये किस्सा शेयर किया था कि उनके पिता ने इंदर राज आनंद ने 200 लोगों के सामने बिग बी को शर्मिंदा कर दिया था, इंदर राज आनंद, कालिया फिल्म के राइटर थे और यह घटना उसी दौरान हुई थी. इसके बाद उन्हें लगा था कि शायद अमिताभ इस फिल्म को छोड़ देंगे.वहीं इस फिल्म के बारे में बता दें कि अमिताभ से पहले इस फिल्म को धर्मेंद्र और विनोद खन्ना को ऑफर की गई थी. धर्मेंद्र को फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई गई थी, लेकिन बिजी शेड्यूल की वजह से उनकी डेट्स क्लैश हुई और फिल्म छोड़ दी.

इतना ही नहीं विनोद खन्ना को जब ये फिल्म मिली तो उस वक्त मिली जब, उन्होंने कुछ समय के लिए ग्लैमर इंडस्ट्री को छोड़ दिया था. कालिया उस साल की बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई थी. फिल्म में परवीन बाबी, आशा पारेख और अमजद खान भी नजर आए थे.

'मुझसे पूछना भी जरूरी नहीं समझा', 'रामायणम' पर दीपिका चिखलिया ने दिया बड़ा बयान, बोलीं - मेरी अब कोई...

नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'रामायणम' की पहली झलक आते ही इंटरनेट पर धूम मच गई है. रणबीर कपूर जहां भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी फिल्म में मां सीता के रोल में नजर आएंगी. ऐसे में सभी की निगाहें साल 1987 के रामायण की 'मां सीता' यानी दीपिका चिखलिया पर भी थीं, लेकिन चौंकाने वाली बात ये है कि उन्हें इस फिल्म के लिए अप्रोच तक नहीं किया गया.

'रामायणम' का टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने इस पर रिएक्टर करना शुरू कर दिया. मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म के किरदारों की का परिचय कराया. फिल्म में रणबीर कपूर राम की भूमिका में नजर आने वाले हैं, तो साउथ सुपरस्टार यश रावण की भूमिका अदा करेंगे. 'रामायणम'की झलक देखने के बाद लोगों ने इसे ब्लॉकबस्टर घोषित कर दिया है. इस बीच, बीआर चोपड़ा की रामायण की सीता यानी दीपिका चिखलिया ने अपना दर्द बयां किया है.

मेरी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं : दीपिका चिखलिया ने 'रामायणम' को लेकर टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा, 'मुझे तो कभी इस फिल्म के लिए अप्रोच ही नहीं किया गया. उन्होंने बात करने की जरूरत भी नहीं समझी. उनका कहना है कि मुझे अब रामायण में किसी भी दूसरे किरदार से कोई दिलचस्पी नहीं है. एक बार जब मैंने सीता का किरदार निभा लिया, तो मुझे नहीं लगता मैं रामायण में कोई और रोल कर सकती हूं. महाभारत या शिव पुराण में कुछ होता तो सोच सकती थी, लेकिन रामायण में अब नहीं.

ये एक्टर किरदारों में डालेंगे जान : गौरतलब है कि फिल्म में अब सीता के रोल में साई पल्लवी नजर आएंगी और फैंस को उनसे बहुत उम्मीदें हैं. फिल्म में रणबीर के साथ यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण, सनी देओल हनुमान, लारा दत्ता कैकेयी, रकुल प्रीत सुरपणखा, और काजल अग्रवाल मंदोदरी के रोल में नजर आएंगी. हाल ही में रावन की भूमिका अदा करने वाले यश ने पोस्ट के जरिए बताया था कि 10 साल पुराना सपना उनका पूरा हुआ है. दुनिया के बेहतरीन शख्सियतों के साथ मिलकर 'रामायण' को पूरी भक्ति और सम्मान के साथ लाने के लिए वह तैयार हैं.

बता दें कि फिल्म के डायरेक्टर नितेश तिवारी ने फिल्म को लेकर कहा था कि 'रामायणम' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये एक दृष्टि है , श्रद्धा से भरी, उत्कृष्टता से गढ़ी गई, और सीमाओं से परे जाने वाली कहानी.

प्राइम फोकस स्टूडियोज और DNEG (8 बार ऑस्कर जीतने वाला VFX स्टूडियो) के साथ मिलकर यश की Monster Mind Creations इसे प्रोड्यूस कर रही है. रामायण का पहला पार्ट दिवाली 2026 और दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में IMAX पर रिलीज होगा.